देशबन्धु

वर्ष – 34 I अंक – 333 I भोपाल, रविवार, 3 दिसम्बर 2023 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 3.00 रुपए

4 राज्यों में वोटों की गिनती आज, मिजोरम में कल होगी गणना

नई दिल्ली, देशबन्धु। पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में हुए चुनाव के बाद 4 राज्यों में मतों की गिनती आज होगा, जबकि मिजोरम में सोमवार को वोटों की गिनती की जाएगी।

रविवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान के चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि मिजोरम के कई दलों तथा संगठनों ने राज्य में विधानसभा चुनाव के मतों की

गिनती रविवार तीन दिसम्बर के बजाय चार दिसम्बर को कराने का अनुरोध किया है। आयोग के अनुसार इन संगठनों का कहना है कि तीन दिसम्बर को रविवार है और इस दिन का राज्य के लोगों के लिए विशेष महत्व है इसलिए मतगणना अन्य किसी दिन करायी जानी चाहिए। आयोग ने कहा है कि इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए राज्य में सोमवार यानी चार दिसम्बर को मतगणना कराने का निर्णय लिया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि अन्य चार राज्यों के विधान सभा चुनाव के मतों की गिनती के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

किसकी होगी सरकार, फैसला आज

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश सहित 4 राज्यों में मतगणना के साथ ही न केवल राज्य के लगभग ढाई हजार से ज्यादा प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला हो जाएगा, बल्कि दोपहर बाद तक राज्य की नई सरकार को लेकर स्थिति भी साफ होने लगेगी। भाजपा और कांग्रेस लगातार अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। मतगणना को लेकर मध्यप्रदेश में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान बुधनी से, पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ छिंदवाड़ा से और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर दिमनी से, प्रहलाद पटेल नरसिंहपुर से और फग्गन सिंह कुलस्ते मंडला जिले के निवास से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसके अलावा भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय इंदौर एक क्षेत्र से तथा चार सांसद, राज्य सरकार के दो दर्जन से अधिक मंत्री और अन्य प्रमुख नेताओं की किस्मत भी मतदान के बाद ईवीएम में कैद हो गयी।

मतगणना के पूर्व राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने संवाददाताओं को बताया कि राज्य के सभी 52 जिला मुख्यालयों पर कल सुबह 8 बजे से मतगणना शुरु होगी, जिसके बाद पूर्वान्ह से ही रुझान सामने आने लगेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मतगणना के हर राउंड के परिणाम प्रदर्शित किए जाएंगे। सुबह आठ बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती शुरु होगी, उसके आधे घंटे बाद ईवीएम में दर्ज मतों की गणना होगी। पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के बाद हर उम्मीदवार को मिले डाक मतों की घोषणा की जाएगी।

श्री राजन ने बताया कि इस बार राज्य में कुल 77.82 फीसदी मतदान हुआ है जो 2018 विधानसभा चुनाव में हुए 75.63 फीसदी मतदान से 2.19 फीसदी अधिक है। राज्य में सोलहवीं विधानसभा के गठन के लिए हो रहे चुनाव में कुल दो हजार 533 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें दो हजार 280 पुरुष, 252 महिलाएं और एक अन्य (थर्ड जेंडर) प्रत्याशी शामिल हैं। कुल दो हजार 533 प्रत्याशियों में भाजपा और कांग्रेस के 230-230 के अलावा बसपा के 181, सपा के 71 और 1166 निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल हैं।

वेबसाइट पर भी देखे जा सकेंगे परिणाम

मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट रिजल्ट्स डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन और वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से देखे जा सकेंगे। मतगणना के परिणाम सीईओमध्यप्रदेश डॉट एनआईसी डॉट इन पर प्रदर्शित किए जाएंगे। राज्य की सभी 230 सीटों पर 17 नवंबर को एक साथ मतदान हुआ था। मतदाताओं की कुल संख्या पांच करोड़ 60 लाख 58 हजार से अधिक है, जिसमें दो करोड़ 87 लाख 82 हजार से ज्यादा पुरुष और दो करोड़ 71 लाख, 99 हजार से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। अन्य मतदाता यानी थर्ड जेंडर की संख्या 1292 है।

भाजपा को मिलने जा रहा भारी बहुमत

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि इन चुनावों में समाज के हर वर्ग से भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन मिला है। भाजपा को मध्य प्रदेश में भारी बहुमत मिलने जा रहा है। अब तक के सारे अनुमान फेल हो जाएंगे। कल सब सूरज के प्रकाश की तरह साफ हो जाएगा।

निर्दलीयों से चर्चा की कोई जरूरत नहीं

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने दावा किया कि उन्हें प्रदेश के मतदाताओं पर भरोसा है और कांग्रेस को निर्दलीय प्रत्याशियों से चर्चा की कोई आवश्यकता नहीं है। कमलनाथ ने कहा कि उन्हें एग्जिट पोल से कोई मतलब नहीं है, उन्हें मतदाताओं पर भरोसा है।

महुआ के समर्थन में उतरी कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। पैसा लेकर सदन में सवाल पूछने के मामले में आचार समिति द्वारा टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की सदस्यता खत्म करने की सिफारिश सोमवार को लोकसभा में पेश की जाएगी।

माना जा रही है कि सदन के बहुमत से महुआ की सदस्यता खत्म कर दी जाएगी। इससे पहले इस मामले में टीएमसी और कांग्रेस एक साथ आती नजर आ रही है। उन्होंने कहाकि नहीं लगता कि महुआ मोइत्रा ने कुछ गलत किया है। शनिवार को महुआ की सदस्यता खत्म करने को लेकर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को खत लिखकर आचार समिति के रवैए पर सवाल खड़ा कर दिया है। बिरला को लिखे चार पेज के पत्र में अधीर ने आचार समिति के रवैए पर

अधीर रंजन ने आचार समिति के रवैए पर उठाए सवाल, लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

सवाल खड़ा करते हुए संसदीय समितियों के नियमों व प्रक्रियाओं की समीक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार समिति और आचार समिति की भूमिका स्पष्ट नहीं है। इसके अलावा अनैतिक व्यवहार क्या है,इसकी कोई विशिष्ट परिभाषा नहीं है। अधीर ने कहाकि पैसा मागने की घटना की जांच जारी है,लेकिन यह पूरी तरह से गोपनीय होनी चाहिए। यह बेहद संवेदनशील मामला है। लेकिन आचार समिति के अध्यक्ष और सदस्यों ने न सिर्फ इसे सार्वजनिक कर दिया बल्कि इस पर अपनी-अपनी राय भी दे डाली।

दानिश ने आचार समिति के नोटिस पर जताई आपत्ति

बसपा सांसद दानिश अली ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को खत लिखकर आचार समिति की नोटिस पर आपत्ति जमाई है। इसमें उन्हें 7 दिसम्बर को समिति के सामने हाजिर होकर चंद्रयान-3 मिशन पर चर्चा के दौरान कथित कदाचार को लेकर मौखिक सबूत देने को कहा गया है। उन्होंने अपने खत में भाजपा सांसद रमेश बिधूडी द्वारा उनके खिलाफ की गई सांप्रदायिक टिप्पणी और भाजपा नेताओं द्वारा उनके खिलाफ की गई शिकायतों को समिति द्वारा एक साथ जोडे जाने पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहाकि पीड़ित को ही आरोपी बनाकर मुख्य मामले से ध्यान भटकाने का दुखद प्रयास किया जा रहा है। उनका यह खत लोकसभा सचिवालय की विशेषाधिकार और नैतिकता शाखा के एक अधिकारी के नोटिस के जवाब में था,जिसमें उन्हें 7 दिसम्बर को समिति के सामने हाजिर होने के लिए कहा गया है।

संसद सत्र कल से : सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए 23 दल

सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार : जोशी

नई दिल्ली, देशबन्धु। संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसम्बर शुरू होकर से 22 दिसम्बर तक चलेगा। यह मौजूदा लोकसभा का आखिरी सत्र होगा। उससे पहले शनिवार को सरकार ओर से सर्वदलीय बैठक बुलाई गई।

संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने बैठक के बाद कहाकि सरकार सदन में सभी विषयों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। सर्वदलीय बैठक में हुई चर्चा की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस बैठक में 23 राजनीतिक दलों के 30 नेता शामिल हुए। इसकी अध्यक्षता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने की। इस बैठक में राज्यसभा में भाजपा के नेता पीयूष गोयल भी मौजूद रहे। जोशी ने कहाकि बैठक में सभी दलों से अनुरोध किया गया कि संसद में बहस के लिए उचित माहौल बनाए रखा जाना चाहिए। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। बशर्ते चर्चा के नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए। सरकार सदन में ढांचागत बहस की अपेक्षा रखती है। जोशी ने कहाकि बैठक में कई तरह के सुझाव सामने आए। विपक्षी दलों की ओर से अल्पकालिक चर्चा और शून्यकाल को लेकर मांग की गई। उन्होंने कहाकि सरकार दोनों सदनों में शून्यकाल हमेशा से चलाती आ रही है। रही अल्पकालिक चर्चा तो इसके लिए नियमों के मुताबिक बहस का माहौल बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहाकि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। पिछली बार भी जब विपक्ष ने मणिपुर पर चर्चा कराने की मांग कर नोटिस जारी किया था। उस समय भी सरकार चर्चा के लिए तैयार थी। बशर्ते नियमानुसार सभापति और लोकसभा अध्यक्ष से अनुमति लेनी होती है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश, गौरव गोगोई और प्रमोद तिवारी, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंद्योपाध्याय, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के फौजिया खान, आरएसपी नेता एन के प्रेमचंद्रन सहित कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। शीतकालीन सत्र के दौरान आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट बदलने वाले तीन महत्वपूर्ण बिल पास करने पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा एथिक्स कमेटी, जिसने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'कैश-फॉर-क्वेरी' आरोपों की जांच की थी, सेशन के पहले दिन अपनी रिपोर्ट रखेगी।

सार समाचार

पुरानी रंजिश पर किशोर पर हमला

गुना, देशबन्धु। आरोन थानांतर्गत बरवटपुरा निवासी एक किशोर के साथ पुरानी रंजिश पर तीन युवकों ने मारपीट कर दी। बीच बचाव करने आई चाची के साथ भी आरोपियों ने जमकर मारपीट की। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी रोहित पुत्र जयपाल धाकड़ (15) ने अपने चाचा हिम्मत धाकड़ एवं चाची मालती धाकड़ के थाने में शिकायत दर्ज कराई कि गत शाम वह और उसका दोस्त देव खटीक मकान के बाहर बैठे थे। तभी बरबटपुरा के ऊवेश खान, ऊमर खान व उनका भाई आए और पुरानी रंजिश पर गाली गलौंच कर मारपीट शुरू कर दी। बीच बचाव करने आई चाची के साथ भी उमर खान ने बेल्ट से मारपीट कर दी। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर तीन आरोपियों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

वक्फ प्रदेशाध्यक्ष के जन्मदिन पर गरीबों को बांटे फल और कपड़े

गुना, देशबन्धु। वक्फ जिला अध्यक्ष जाकिर बावड़ी के निर्देश पर जिलेभर में मध्य प्रदेश कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त एवं मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड प्रदेश अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल का जन्मदिन धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर बच्चों को मिठाइयां बाटी गई, तो कहीं पर गरीबों को खाना खिलाया गया। दरगाहों पर चादर चढ़ाकर डॉ सनवर पटेल की लंबी उम्र की दुआएं मांगी गई। मधुसूदनगढ़ में टोनी शाह ने गरीबों को खाना सामग्री बांटी एवं बच्चों को मिठाइयां बांटी गई। वहीं डॉ सनवर पटेल की लंबी उम्र की मस्जिदों में दुआएं मांगी गई। इस अवसर पर वफ जिलाध्यक्ष जाकिर बावड़ी, टोनी शाह, शरीफ खान, हाजीरफत उल्ला खान, जफर भाई अशफाक खान, एहसान मोहम्मद, वसीम खान, भैया पठान, शराफत अली, साबिर खान, यूनुस खान, रफीक खान, मुफीद खान, अ ाउल्लाह खान, राजा, इशाक शाह, हसीन भाई, लियाकत सहित मुस्लिम समाज के कई लोग उपस्थित रहे।

महिला के साथ पति, जेठ और ससुर ने की मारपीट

गुना, देशबन्धु। राघौगढ़ थानांतर्गत चरनोई निवासी एक महिला के साथ घरेलू कामकाज को लेकर पति, ससुर एवं जेठ ने मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादिया ममताबाई पति लालू बंजारा निवासी चरनोई ने अपने भाई सुरेश बंजारा के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई गत शाम वह अपने घर पर थी। तभी उसका पति लालू बंजारा शराब पीकर आया और घर के कामकाज को लेकर गाली गलौंच करने लगा। इस दौरान उसका मेरा जेठ तोफान सिंह एवं ससुर नन्नूलाल बंजारा भी आ गये और तीनों ने जमकर मारपीट की। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर तीन पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

राघौगढ़ के ग्राम सोरामपुरा का मामला

चुनावी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला

गुना, देशबन्धु। राघौगढ़ थानांतर्गत ग्राम सोरामपुरा निवासी एक व्यक्ति के साथ चुनावी रंजिश पर तीन लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने कुल्हाड़ी से हमला कर बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां ट्रामा केयर सेंटर में उसका गंभीर हालत में ईलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी दयाल सिंह पुत्र चिरोंजीलाल लोधा (35) निवासी ग्राम सोरामपुरा ने ने बताया कि वह गत सुबह मैं. घनश्याम शर्मा की दूध डेयरी से दूध बेचकर अपने घर जा रहा था। तभी रास्ते में गांव के बुन्देल सिंह लोधा, माखन लोधा, हजारीलाल लोधा मिले और चुनावी रंजिश पर गाली गलौंच कने लगे। इस दौरान आरोपनी बुन्देल सिंह ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिसमें उसके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। इस दौरान आरोपी चुनावी रंजिश में फरियादी को तब तक मारते रहे जब तक वह बेसुध न हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंचे पीड़ित के भाई एवं ग्रामीणों ने तत्काल उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार जारी है। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर तीन आरोपियों पर धारा 324, 323, 294, 506, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

मतगणना के पूर्व भगवान की शरण में पहुंचे कांग्रेसी

गुना, देशबन्धु। विधानसभा चुनावों की रविवार को होने वाली मतगणना से पूर्व शनिवार को कांग्रेस पार्टी बालाजी की शरण में पहुंची। इस मौके पर कांग्रेसजनों ने स्थानीय उदासी आश्रम स्थित हनुमान जी के मंदिर पर पूजा-अर्चना कर हनुमान चालीसा का पाठ किया और बालाजी से प्रदेश में कांग्रेस को बहुमत और सरकार गठन की प्रार्थना की। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। जिन्होंने सबसे पहले बालाजी की पूजा-अर्चना कर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, तत्पश्चात आरती कर प्रसादी वितरण किया गया। इस अवसर पर बमोरी से कांग्रेस प्रत्याशी ऋषि अग्रवाल ने कहा कि रविवार को होने वाली मतगणना से पूर्व आज कांग्रेस द्वारा बालाजी मंदिर हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया है। बालाजी महाराज से चुनाव में कांग्रेस की जीत और प्रदेश में कांग्रेस सरकार के गठन के साथ कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनने की कामना की गई है। वहीं इस मौके पर कांग्रेस नेताओं ने प्रदेशभर में और जिले की चारों सीटों पर कांग्रेस की जीत का दावा भी किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाश नारायण भार्गव, बमोरी कांग्रेस प्रत्याशी ऋषि अग्रवाल, जिला संगठन मंत्री विश्वनाथ, हेमराज सिंह, ओमप्रकाश त्रिपाठी, राजेंद्र तिवारी, राजू बना, मोहन रजक, माधो, नंदू शर्मा, रामस्वरूप जाटव, जिला महामंत्री मनीष रजक, नेता प्रतिपक्ष शेखर वशिष्ठ, सेवादल प्रमुख नरेंद्र सोमवार, प्रशांत मोडका, प्रभाकर सेंगर, पर्वत सिंह, यादव, शिवप्रताप बना, सांसद प्रतिनिधि, बीटू रघुवंशी, विक्रम तोमर, पार्षद राजू जाटव, अभय व्यास म्याना, रामवीर जाटव, महेश कुशवाह, नरेंद्र कुशवाह, मंडलम वीरू खटीक, कन्हैया अहिरवार, अशोक पालिया, ब्रजेश रघुवंशी भूरा, मनीष रघुवंशी, मंडलम अध्यक्ष ज्ञान सिंह पिप्पल, जितेंद्र शर्मा, मंगलेश विजयवर्गीय, अखिलेश पाराशर, अभिषेक सोलंकी, अमन तोमर, सौरभ अरोरा, बाल कांग्रेस अध्यक्ष अनुज रघुवंशी, अखिलेश पाराशर, विजय जैन केंट, श्यामू यादव, पंकज, प्रजापति, अभिषेक सोलंकी, बनवारी ओझा, मुकेश रजक, जयपाल जाट, सौरभ अरोरा, अजय सेलर, बबलू खान, देवेंद्र राजपूत, राजतिलक सोनवार, राम सिंह रजक, गजेंद्र अहिरवार, मुकेश सेन, गोविंद जाटव, सुनील रघुवंशी, राजू सेन, गोलू जाटव आदि उपस्थित थे।

पहले कहा पगला, फिर विरोध किया तो कुल्हाड़ी से कर दिया हमला

गुना, देशबन्धु। धरनावदा थानांतर्गत ग्राम गढ़ा निवासी एक व्यक्ति को पगला कहने पर ने एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति के साथ मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी रामचरण पुत्र जगन्नाथ कुशवाह ने घायल अवस्था में अपने छोटे भाई कल्लू उर्फ हरिचरण कुशवाह को साथ पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई कि गत दिवस दोपहर को ग्राम गढा घाटी पर बने लल्लू प्रजापति के ढाबे पर बैठा था। तभी वहां गांव का विनोद बसोड़ पुत्र तुलसीराम बसोड़आया। इस दौरान फरियादी का छोटा भाई कल्लू उर्फ हरिचरण कुशवाह भैंसे चराकर ढाबे पर आया तो उसे देखकर विनोद बोला कि आ गया पगला। जिस पर भाई हरिचरण ने आरोपी बोला कि मुझे पगला क्यों बोल रहा है। इसी बात पर से आरोपी ने गाली गलौंच कर उसके भाई के हाथ में कुल्हाडी को छुड़ाकर हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोप पर धारा 294, 323, 324, 506 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

सलमान खान से मिलने की चाहत में आगरा से मुंबई तक दौड़ रहे आकाश

- गुना पहुंचे आकाश हुए मीडिया से रूबरू

गुना, देशबन्धु। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान से मिलने की चाहत में एक 30 वर्षीय युवक रोजाना करीब 100 किमी की दौड़ लगाकर आगरा से मुंबई जा रहा है। शनिवार को गुना पहुंचे रामबाग आगरा उप्र निवासी आकाश वर्मा ने बताया कि वह बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान का बहुत बड़ा प्रशंसक है। उनके से मिलने के लिए वह रोजाना 100 किमी तक की दौड़ लगाकर मुंबई जा रहा है। अभी वह तीन दिन में आगरा से गुना पहुंचा है। उसे लगभग 1250 किमी और सफर तय करना है। जो लगभग 12 से 13 दिन में पूरा हो जाएगा। आकाश में सलमान खान से मिलने की चाहत इस कदर है वह उनसे मिलने रोजाना 100 किमी तक दौड़ रहा है। इस बारे में आकाश ने बताया कि वह सलमान खान का बहुत बड़ा प्रशंसक है, उनकी हर फिल्म देखता है। जब उसने उनकी फिल्म बागवान पहली बार देखी तो उसमें उनके बेटे के किरदार को देखकर वह उनके मुरीद हो गए। बकौल, आकाश वह सिर्फ बागवान फिल्म को ही लगभग 20 से अधिक बार देख चुके हैं। लेकिन उसके बाद भी उनका मन नहीं भरता। सलमान खान से उनकी लगन इस कदर है कि उन्होंने अपनी इस लगन को भगवान राम और हनुमान की लगन से तुलना कर डाली। आकाश के अनुसार जैसे हनुमान जी की राम जी से लगन लगी थी वैसे ही उनकी सलमान जी से लगन है। वह मुंबई जाकर हर हाल में सलमान खान से मिलेंगे। आकाश के अनुसार अभी तक उन्होंने अपने चहेते अभिनेता को टेलीविजन पर देखा है अब सामने देखना चाहते हैं। आकाश ने बताया कि उनके साथ उनके सहयोगी के रूप में उनका भांजा तरूण वर्मा सायकिल से चल रहा है, जो उनके कपड़े, खाना बगैरा सामान लेकर उनकी मदद कर रहा है। आकाश बताते हैं रात्रि पड़ाव के दौरान उन्हें जहां जगह मिलती है वहां रात्रि में आराम कर अगले दिन सुबह अपनी मंजिल पर निकल पड़ते हैं।

12 सूत्रीय मांगों को लेकर एसयूसीआई ने शुरू किया हस्ताक्षर अभियान

गुना, देशबन्धु। एसयूसीआई पार्टी द्वारा केंद्रीय कमेटी के आह्वान पर देशभर में चलाए जा रहे 12 सूत्रीय हस्ताक्षर अभियान का गुना के स्थानीय हनुमान चौराहे पर शुभारंभ किया गया। हस्ताक्षर अभियान पूरे देश भर में महंगाई, बेरोजगारी, अश्लीलता, अपसंस्कृति, नशाखोरी सहित तमाम जन समस्याओं के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत आगामी भविष्य में करोड़ों हस्ताक्षर एकत्रित कर राष्ट्रपति को सौपा जाएंगे। जिसमें मुख्य रूप से महंगाई पर रोक लगकर आवश्यक वस्तुओं में सम्पूर्ण राज्य व्यापार लागू करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अविलम्ब वापस लेने, शिक्षा के निजीकरण, व्यवसायीकरण और भगवाकरण पर रोक लगाने, सभी को स्थायी नौकरी देने, जब तक नौकरी नहीं, तब तक बेरोजगारी भत्ता देने, सभी सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के तहत पेंशन देने की मांग की गई। इसके अलावा ज्ञापन में अन्य मांगे ज्ञापन में शामिल है।

कांग्रेस प्रत्याशी चौहान ने मतगणना अभिकर्ताओं के साथ की चर्चा

आष्टा, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी कमल सिंह चौहान ने मतगणना के पूर्व अपने मतगणना एजेंटों की एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय साहू समाज धर्मशाला में आयोजित की। जिसमें कांग्रेस के नेता सहित गणना एजेंट सम्मिलित हुए। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री कैलाश परमार ने मतगणना एजेंट से अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि मतगणना में पूरी सतर्कता, सावधानी रखते हुए धैर्य का आचरण करना है। प्रत्येक चरण में जो भी मत कांग्रेस प्रत्याशी को प्राप्त हो उन्हें व्यवस्थित तरीके से टेबल पर दी जा रही सीट पर नोट करना है। किसी भी प्रकार की अनियमिता एवं मशीन से छेड़छाड़ होने की संभावना में उस मशीन की मतगणना नहीं होने देना है। ऐसी ऐसी स्थिति में तत्काल रिटर्निंग ऑफिसर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को शिकायत करना है।

उन्होंने डाकमत पत्र के अभिकर्ताओं से कहा कि डाक में पत्र की गणना पर सूक्ष्मता से नजर रखते हुए डाक मतगणना में पूरी निगरानी रखना है। कमल सिंह चौहान ने सभी गणना एजेंट से कहा कि आप समय पूर्व मतगणना स्थल पर पहुंचकर अपनी अपनी सीट को सुरक्षित कर ले तथा मतगणना अंतिम रूप से पूरी होने तक अपनी सीट को नहीं छोड़े। मीटिंग को कांग्रेस प्रत्याशी के निर्वाचन अभिकर्ता सुरेंद्र परमार एडवोकेट ने मतगणना के नियमों की सभी गणना एजेंट को जानकारी देते हुए बताया कि कंट्रोल यूनिट मशीन के नंबर की जांच मतदान दिनांक को दिए गए प्रारूप 17 सी से करना है,इसके बाद ही रिजल्ट बटन दबाने की सहमति देना है ।

बैठक को कांग्रेस नेता हरपाल ठाकुर, बल बहादुर सिंह ठाकुर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र ठाकुर, गुलाब बाई ठाकुर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जाहिद गुडडू, राधेश्याम दलपति ने भी संबोधित किया। इस मीटिंग में वरिष्ठ कांग्रेस नेता भैया मियां, मेहरबान सिंह मेवाड़ा, नरेंद्र भाटी, इदरीस मंसूरी, कमल सेठ, सौभाल सिंह ठाकुर, धर्मेंद्र सिंह ठाकुर,चंदर सिंह ठाकुर, बंशीलाल बॉम्बे, रामचंद्र दवारिया,जगदीश द्रविड़ आदि मौजूद थे।

पुष्पा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मनाया वार्षिकोत्सव

आष्टा, देशबन्धु। पुष्पा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भव्य वार्षिकोत्सव बड़े हर्ष एवं उल्लास से मनाया गया । इस सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य थीम उड़ने दो रही । इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल आर्चडायसिस के भूतपूर्व आर्चबिशप डॉ लियो कोर्नेलियो उपस्थित रहे । अन्य मुख्य अतिथि के रूप में रायसिंह मेवाड़ा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कैलाश परमार,बी.ई.ओ. अजब सिंह राजपूत, डॉक्टर मीना सिंगी, जिला पंचायत अध्यक्ष गोपाल सिंह इंजीनियर, उपस्थित रहे । सर्वप्रथम सभी अतिथिगणों का स्वागत पौधा देकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित करके एवं प्रार्थना नृत्य द्वारा किया गया । इसके पश्चात विभिन्न संस्कृतियों पर आधारित सांस्कृतिक रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। लता मंगेशकर के जीवन चरित्र को कलात्मक नृत्य द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसे देखकर सभी दर्शक भाव विभोर हो उठे। कार्यक्रम का मुख्य केंद्र बिंदु नाटक रहा, नाटक का मुख्य उद्देश्य बच्चों को यह सीख देना था कि जीवन में शिक्षा के साथ-साथ हुनर का होना भी अति आवश्यक है।

परमार ने किया मुमुक्षु बहन का अभिनंदन

आष्टा, देशबन्धु। सांसारिक जीवन का त्याग कर संयम के पथ का अंगीकार करने जा रही मुमुक्षु बहन रानू चंडालिया अपनी दीक्षा का आमंत्रण देने के लिए नगर पधारी। इस अवसर पर पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार के द्वारा मुमुक्षु बहन का अभिनंदन किया ओर उनसे संयम जीवन के लिये शुभकामनाएं दी । इस अवसर पर कांग्रेस नेता हरपाल ठाकुर ,टोनी कोठारी उपस्थित थे । मुमुक्षु बहन का नगर से पारिवारिक रिश्ता है वे शहर युवक कांग्रेस के अध्यक्ष टोनी कोठारी की बहन प्रियंका कोठारी की ननंद है । वे आगामी 14 दिसंबर को अयोध्यापुरम तीर्थ प्रेरक आनंद चंद्र सागर जी महाराज साहब की निश्रा में जैन भागवती दीक्षा ग्रहण करने जा रही है । सभी उपस्थित जन द्वारा मुमुक्षु रानू चंडालिया के सफल संयम जीवन के लिए शुभकामनाएं दी है

कृपाल सिंह बने जिला अध्यक्ष

आष्टा, देशबन्धु। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद नई दिल्ली, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मांगरिया ने जिला अध्यक्ष पद पर कृपाल सिंह परमार को नियुक्त करते हुए नियुक्ति पत्र प्रदान किया। कृपाल को उनके सामाजिक एवं सेवा कार्यों को देखते हुए उन्हें जिला अध्यक्ष बनाया गया है उनकी नियुक्ति पर पूर्व जनपद अध्यक्ष बापू लाल मालवीय कमल सिंह चौहान एचआर परमाल जगदीश चौहान ,रमेश मालवीय टीपाखेड़ी ,गजराज सोलंकी ,इमरत लाल पखनी, ज्ञानसिंह देवकरण सिंह मालवीय पगारियाहाट फूल सिंह मालवीय बोंदरसिंह मालवीय लाखन सिंह मालवीय जिला पंचायत सदस्य रामचरण दवरिया आदि लोगों कृपालसिंह परमार जी की नियुक्ति पर बधाई दी।

झगड़ा सुलझाने की सरल और प्रभावी प्रक्रिया है मध्यस्थता

आष्टा, देशबन्धु। तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष प्रथम जिला न्यायाधीश सुरेश कुमार चौबे द्वारा न्यायालय परिसर में मध्यस्थता जागरुकता कार्यक्रम और विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें श्री चौबे द्वारा मध्यस्थता के बारे में बताया कि यह झगड़ा सुलझाने की एक ऐसी प्रकिया जिसके द्वारा मध्यस्थ निष्प्रभावी एवं निर्विकार व्यक्ति के रूप में विवाद ग्रस्त पक्षकारों को ऐसे समझौते के लिये तैयार करता है जो कि सर्वमान्य हो, यानी कि सर्वमान्य समझौता कराने की प्रक्रिया को मध्यस्थता कहते है। ज्यादातर मामलों में दोनों पक्ष मध्यस्थता समझौते की पूर्व निर्धारित शर्तों के अनुसार समान रूप से मध्यस्थों की लागत वहन करते हैं। चूंकि मध्यस्थता एक आसान और प्रक्रिया है, विवाद कम कानूनी प्रतिनिधित्व के साथ जल्दी समाप्त हो जाते हैं और दोनों पक्षों के लिए पैसे की भी बचत होती है। इसके पश्चात सुरेश कुमार चौबे द्वारा नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए भारतीय स्टेट बैंक एवं विद्युत विभाग के प्रचार रथ वाहनों को 09 दिसम्बर को आयोजित नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया गया। उक्त प्रचार वाहनों द्वारा पूरी आष्टा, जावर, तहसील एवं नगर में समझौते के आधार पर राजीनामा किए जाने के लिए नागरिकों को यह प्रचार रथ जागरूक करेगें। श्री चौबे द्वारा बताया गया कि न्यायालय में लंबित प्रिलिटिगेशन प्रकरणों में 9 दिसम्बर को होने वाली नेशनल लोक अदालत में छूट के निर्देश दिए गए है। विद्युत विभाग के प्रकरणों में नियमानुसार छूट प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर द्वितीय जिला न्यायाधीश कंचन सक्सेना, न्यायाधीश श्रीमती वंदना त्रिपाठी, श्रीमती ऋचा जैन, न्यायाधीश एम.एन. रिजवी, मुख्य शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक भगत सिंह, मुख्य प्रबंधक कन्नौद रोड दीपक कुमार और मैनेजर कोठरी एम.के. पांडे, विद्युत विभाग के रवि चौहान असिस्टेंट इंजीनियर और अधिवक्तागण, कर्मचारीगण, पक्षकारगण आदि उपस्थित रहे।

प्राणियों के लिए दया और करुणा मानव जीवन का यथार्थ : परमार

आष्टा, देशबन्धु। संस्कृति धर्म और सेवा आपस मे गहराई से जुड़े हुए हैं । मानवीय मूल्यों को अपनाने की सार्थकता तभी है जब हम प्राणी मात्र के प्रति करुणा का भाव रखें। जीवन की सार्थकता भी सेवा भाव में ही निहित है यह बात स्थानीय पार्वती धाम गौशाला में वरिष्ठ समाज सेवी गायत्री परिवार प्रमुख तथा चंद्रवंशी खाती समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी मोहन सिंह अजनोंदिया के जन्मदिन समारोह के अवसर पर प्रभु प्रेमी संघ के संयोजक तथा पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने कही । श्री परमार ने मोहनसिंह अजनोंदिया के जीवन को सभी के लिए प्रेरक बताते हुए कहा कि उन्होंने देहाती परिवेश में एक कृषक के रूप में जीवन आरम्भ करके नगर के धार्मिक, सामाजिक क्षेत्र में भी अपने आदर्श व्यवहार और स्पष्टवादिता के कारण यश का अर्जन किया। इस अवसर पर श्री अजनोंदिया ने गौशाला में गौवंश की पूजा अर्चना करते हुए सभी को हरा चारा खिलाया । सभी उपस्थित जन ने समय समय पर निस्वार्थ भाव से गायों की सेवा करने का संकल्प लिया।

दिव्यानी छोकर का केबीसी में हुआ चयन, शहरवासियों ने दी शुभकामनाएं

कौन बनेगा करोड़पति में सीहोर की बेटी देगी अमिताभ बच्चन के सवालों का जवाब

सीहोर, देशबन्धु। *प्रतिभा कभी छिपाये नहीं छिपती, मेहनत किए बिना ही जयकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती, ऐसा ही उदाहरण हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सीहोर निवासी पूर्व सैनिक और रेडफोक्स फिजिकल ऐकेडमी के संचालक दुष्यंत छोकर की सुपुत्री दिव्यानी छोकर ने पेश की है। उनका अपनी कड़ी मेहनत के बलबूते प्रसिद्ध सोनी टीवी चैनल कौन बनेगा करोड़पति में चयन हुआ हैं। दिनांक 4,5,6 दिसम्बर को सोनी चैनल पर रात 9 बजे से होने वाले प्रसारण में सीहोर की बेटी दिव्यानी सदी के अमिताभ बच्चन के समक्ष हॉट सीट पर बैठकर उनके प्रश्नों का उत्तर देंगी। ज्ञातव्य है कि दिव्यानी छोकर के द्वारा नेट एवं जेआरएफ की परीक्षा भी उत्तीर्ण की है और सीहोर की एक मात्र कम उम्र की बेटी द्वारा केबीसी में हिस्सा लिया जा रहा हैं।*

उनके माता-पिता सुधा छोकर, दुष्यंत छोकर एवं उनके भाई ऋषभ छोकर ने सभी सीहोर जिलेवासियों से उम्मीद जताई है कि आगामी दिनांक को होने वाले केबीसी प्रसारण में सीहोर की बेटी दिव्यानी को सभी का आशीर्वाद मिलेगा।

दिव्यानी छोकर ने उनकी इस उपलब्धि का श्रेय उनकी माता सुधा छोकर, पिता दुष्यंत छोकर, भाई ऋषभ छोकर और सभी गुरुजन, परिवारजन को देते हुए कहा कि मुझे बड़ी खुशी हो रही है कि आज मेरी मां का सपना पूरा हुआ है। इनकी इस सफलता पर छोकर परिवार सहित सभी खेल संगठन एवं नगर वासियों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मतगणना आजः जिले में धारा 144 लागू, जूलूस और रैली निकालने पर प्रतिबंध

भोपाल, देशबन्धु। जिले में सात विधानसभा क्षेत्र की मतगणना रविवार को जिला जेल में सुबह आठ बजे से की जाएगी। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। ऐसे में सभी तरह के जुलूस, रैली, आयोजन और एक जगह लोगों के एकत्रित होने आदि के लिए अनुमति लेनी होगी। यदि बिना अनुमति आयोजन किए गए तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला जेल भोपाल में रविवार सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हो जाएगी। इससे पहले जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने चुनाव गतिविधियों की प्रक्रियाओं को व्यवस्थित, स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विघ्न रूप से संपन्न कराने, कानून व्यवस्था बनाए रखने, मानव जीवन की सुरक्षा, लोक शांति बनाए रखने हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। इसके तहत सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना

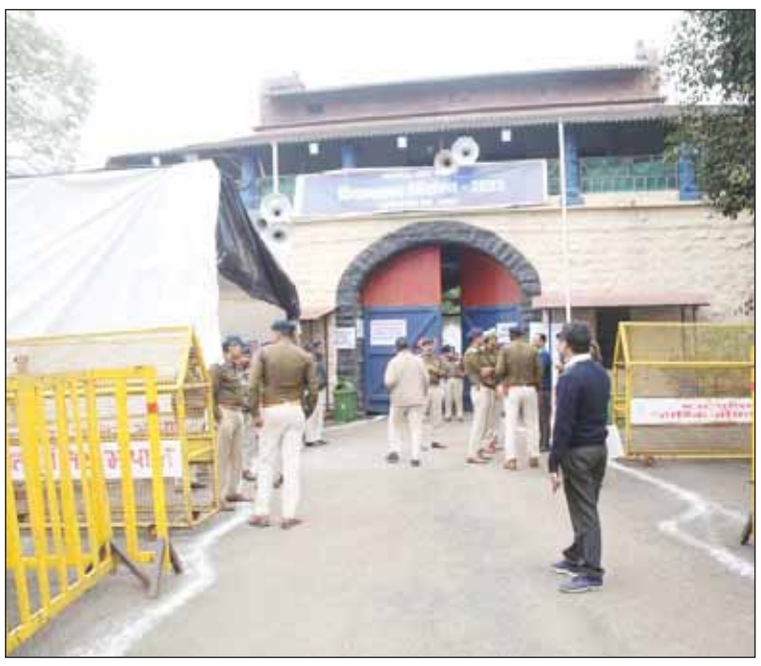

एक स्थान पर एक समय में पांच या पांच से अधिक व्यक्ति एकत्रित नही होंगे। किसी भी राजनीतिक दल, जीते हुए प्रत्याशी, उनके समर्थकों,व्यक्तियों समूह एवं संस्था द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के धारदार या अन्य हथियार, आग्नेय शस्त्र, डण्डा, राड आदि लेकर नहीं चलेंगे।सभी तरह के आयोजन में हवाई फायर वर्जित रहेंगे। राजनीतिक दल,जीते हुए प्रत्याशी उनके समर्थकों व्यक्तियों समूह एवं संस्था द्वारा सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी स्थान पर सभा, धरना प्रदर्शन, जुलूस, वाहन , साधारण रैली आदि का आयोजन नहीं करेगा। शासकीय - अशासकीय स्कूल मैदान भवन, शासकीय कार्यालय के परिसर पर किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगी। सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना बैंड, डीजे, ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा।

यातायात व्यवस्था में भी परिवर्तन

मतगणना के दौरान 3 दिसंबर को सुबह 6 बजे से पुरानी जेल परिसर के आसपास यातायात व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। व्यवस्था के तहत सीआई कालोनी, पुलिस कन्ट्रोल रूम तिराहा, होमगार्ड मोड़ से पुरानी जेल की ओर आने वाले मार्ग पर समस्त प्रकार के वाहनों का आवागमन पूर्णत: बंद रहेगा। एमपी नगर की ओर स्टेट आई0टी की तरफ वाले रास्ते से न्यायालय एवं जेल की तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। जो वाहन जहॉगीराबाद से एमपी नगर की ओर आवागमन करना चाहते है। वह शब्बन चैराहा, जिंसी चैराहा, बोगदा पुल, प्रभात चैराहा, सुभाष फाटक ओवर ब्रिज, मैदा मिल, बोर्ड आफिस होकर आवागमन कर सकेगें। वहीं पार्किग व्यवस्था के तहत मतगणना में लगे अधिकारी, कर्मचारियों और पत्रकार, मीडिया वाहन के वाहन निर्धारित स्थान जैल परिसर में पार्क होगें। मतगणना में आने वाले प्रत्याशियों के वाहन जेल परिसर में आ सकेगे। इन वाहनों की पार्किग परिसर में निर्धारित स्थान पर हो सकेगी। पुलिस कन्ट्रोल रूम तिराहा से आने वाले मतगणना एजेन्टों के वाहन होमगार्ड मोड़ तक जा सकेगें। इन वाहनों की पार्किग लाल परेड मैदान एवं एमएलए रेस्ट हाउस में होगीं। डीबी मॉल तरफ से आने वाले एजेटों के वाहन कोर्ट तिराहा तक आ सकेगें। इन वाहनों की पार्किग वल्लभ भवन मार्ग के दोनों तरफ रिक्त स्थान पर हागी। जहांगीराबाद तरफ से आने वाले एजेंटों के वाहन पुलिस आईटीआई द्वार तक आ सकेगे। जिनकी पार्किग पुलिस आईटीआई मैदान में की जाएगी। प्रत्याशियों एवं एजेन्ट के नाश्ता, भोजन के वाहन पुरानी जेल परिसर के मुख्य द्वार तक आ सकेगें। आम जनता के वाहन पंजाब नेशनल बैंक की तरफ और न्यायालय तिराहा से वल्लभ भवन मार्ग के दोनों ओर पार्किग कर सकेगें।

इस बार बोर्ड परीक्षा में केंद्राध्यक्ष भी नहीं ले जा सकेंगे मोबाइल

पिछले साल परीक्षा के 16 प्रश्नपत्र हो गए थे प्रसारित मोबाइल को जिम्मेदार माना गया

__भोपाल, देशबन्धु।__ मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10 वीं व 12 वीं की परीक्षा के दौरान मोबाइल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यहां तक कि केंद्राध्यक्ष भी मोबाइल नहीं रख सकेंगे। परीक्षा केंद्र के अंदर किसी के भी पास मोबाइल पाया गया तो 10 साल की सजा होगी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की ओर से 10 वीं व 12 वीं के प्रश्नपत्र प्रसारित होने से बचाने के लिए इस बार परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल प्रतिबंधित होगा। केंद्रों के बाहर लोहे की पेटी रखी जाएगी। इसमें मोबाइल को जमा करना होगा। परीक्षा केंद्रों से माशिमं को सूचना देने या परीक्षा की निगरानी करने के लिए मोबाइल के बदले वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। इसमें लैंडलाइन फोन के उपयोग के साथ-साथ पोर्टल तैयार किया जा रहा है, ताकि परीक्षा केंद्रों से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। इसमें ईमेल के माध्यम से मंडल की पूरी कंट्रोलिंग होगी। साथ ही आफलाइन प्रक्रिया को बंद कर आनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

मंडल के सचिव केडी त्रिपाठी का कहना है कि पिछले साल 10 वीं व 12 वीं के 16 विषयों के प्रश्नपत्र मोबाइल के उपयोग से प्रसारित हो गए थे। प्रश्नपत्र प्रसारित होने के कारणों की जांच करने पर मोबाइल को सबसे बड़ा जिम्मेदार माना गया। चूंकि पुलिस थाना से प्रश्नपत्र परीक्षा कक्ष तक पहुंचने के दौरान मोबाइल से प्रश्नपत्र की तस्वीर खींचकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया गया था। हालांकि पहले भी मोबाइल परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने के लिए प्रतिबंधित था, लेकिन फिर भी केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक और स्टाफ लेकर जाते थे। महज विद्यार्थियों के लिए सख्ती बरती जाती थी। लेकिन इस बार परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा।

सेवानिवृत्त भाप्रसे अफसर के घर लिफ्ट गिरी, युवक की मौत

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अफसर प्रभांशु कमल के चूना भट्टी स्थित घर में शनिवार को हादसा हो गया। यहां लिफ्ट गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। चूना भट्टी थाना प्रभारी भूपेंद्र कौर सिंह ने बताया कि राजकुमार चौहान उम्र 38 वर्ष निवासी माता मंदिर मजदूरी करता था। कंफर्ट लेक चालेट कॉलोनी में स्थित प्रभांशु कमल के बंगले में शनिवार को लिफ्ट की मरम्मत का काम चल रहा था। इसमें राजकुमार भी मजदूरी कर रहा था। काम के दौरान अचानक लिफ्ट गिरने के बाद राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। पुलिस का कहना है कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

बाल भवन स्कूल में विज्ञान मेले का आयोजन

बाल वैज्ञानिकों ने मॉडलों से बताए प्रदूषण से बचने के उपाए

भोपाल, देशबन्धु। श्यामला हिल्स स्थित बाल भवन स्कूल में शनिवार को विज्ञान मेले का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने 108 मॉडल प्रस्तुत किए। बाल वैज्ञानिकों ने इनके जरिये भविष्य के बताया कि बढ़ते प्रदूषण को कैसे रोका जा सकता है, प्राकृतिक संसाधनों को कैसे बचाया जा सकता है और रक्तचाप एवं डायलिसिस से कैसे बचा जा सकता है। विद्यार्थियों ने समस्या के साथ उनके समाधान भी बताए।

बाल वैज्ञानिकों ने विज्ञान की उत्तरोत्तर उन्नति को अंतरिक्ष में छोड़े गए चंद्रयान, उन्नत खेती के आसान तरीकों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने मेले में सभी मॉडल प्रस्तुत किए। इस अवसर पर शिक्षकों ने कहा कि विज्ञान ने आज के जीवन को सुलभ बना दिया है, उसके महत्व को किसी भी तरह से नकारा नहीं जा सकता है। बाल मेला भी इसी पर केंद्रित है। विज्ञान मेले के लिए आठवीं, नौवीं और दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने शिक्षक महक आहूजा, फायज़ा खान, अनीता गुप्ता, शीना इब्राहिम, शुभांगनी कोलकर, पी. सविता, सुशांत तिवारी, नाजिया उस्मान, बुशरा अरशद, सारा ताहिर, असना खान के मार्गदर्शन में मॉडल तैयार किए।

नन्हें बच्चों ने कहा-आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती को बचाएं

भोपाल, देशबन्धु। शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित विद्या सागर पब्लिक स्कूल में शनिवार को अंग्रेजी भाषा में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें केजी-वन और टू के बच्चों ने धरती की सुरक्षा का संदेश दिया। अपनी तोतली बोली में बच्चों ने जब कहा कि च्सेव द अर्थ फॉर फ्यूचर जेनरेशनज्, तो तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया गया। मंच पर बोलने, भाषा कौशल विकसित करने के लिए बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में बच्चों ने माय मदर, वाइल्ड एनिमल, पेट एनिमल, बर्थडे पार्टी, कार्टून कैरेक्टर, विजिट टू ऐनी प्लेस जैसे विषयों पर भी अंग्रेजी में भाषण सुनाया। बच्चों ने न सिर्फ प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, बल्कि बड़े ही आत्मविश्वास के साथ मंच पर अपनी शिक्षिकाओं एवं साथियों के समक्ष संबंधित विषयों पर अंग्रेजी में अपने विचार रखे। स्कूल के निदेशक एवं प्रधानाध्यापिका ने बच्चों की कोशिश और प्रस्तुतियों की सराहना की और उनके अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बच्चों को भाषा कौशल की शिक्षा लगातार दीजिए।

भोजपाल महोत्सव मेले में देखने को मिलेगा दुबई के मॉल जैसा मछलियों का घर संसार

भोपाल, देशबन्धु। दुबई, सिंगापुर, मलेशिया, बैंकाक, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, और चंडीगढ़ में बनाया गया अंडर वाटर टनल अब आपको अपने शहर के भेल दशहरा मैदान पर लगे भोजपाल महोत्सव मेले में देखने को मिलेगा। यहां जमीन के भीतर करीब 180 फीट लंबे अंडर वाटर टनल और फिश एक्वेरियम में 3 सौ से ज्यादा विभिन्न प्रकार की मछलियां देखने को मिलेंगी। मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि शहर में पहली बार लोगों को विभिन्न तरह की रंग बिरंगी मछलियां देखने को मिलेंगी। अध्यक्ष ने बताया कि शहर में एक मछली घर था, जहां बच्चे परिवार के साथ जाकर मछलियों को देखते थे और उनके बारे में जानकारी हासिल करते थे, लेकिन उसे सरकारी आदेश के बाद बंद कर दिया गया। अब मेले में लगाए गए इस अंडर वाटर टनल के माध्यम से लोगों को समुद्री जीव-जंतुओं के साथ मछलियों का घर संसार देखने को मिलेगा।

एक ग्राम से 80 किलो तक की मछली

श्री यादव ने बताया कि मेले में लगाए गए अंडर वाटर टनल (एक्वेरियम) में एक किलोग्राम से लेकर करीब 80 किलोग्राम तक की मछली देखने को मिलेगी। अरुपमा मछली करीब 80 किलो की है। इसकी लम्बाई करीब 6 फीट है। अंडर वाटर टनल और एक्वेरियम लगाने वाले रफीक भाई ने बताया कि एक मछली की कीमत 4 से 5 लाख रुपए तक होती है। मगरमच्छ की तरह दिखने वाली मछली, (एलिवेटर गार), कलर ट्रेटा, व्हाइट टाइगर शार्क, अमेजन नदी में पाई जाने वाली मछली फिराना , एंजिल फिश, सांप जैसी दिखने वाली मछली इलेक्ट्रिक ईल फिश , टाइगर ऑस्कर, रेड पैरेट फिश, लापन ट्रेड, ओरंदा गोल्डन फिश, टेली स्कोप गोल्ड, चाइनीज कोई फिश, घर में वास्तु के लिए रखी जाने वाली मछली अरवाना , फ्लावर ऑन फिश, जैड गोरामी, कैट फिश जैसी छोटी-बड़ी मछलियां देखने को मिलेंगी।

एलएनसीटी में हुआ एचआर क्लब का शुभारंभ

भोपाल, देशबन्धु। एल एन सीटी कालेज के प्रबंधन छात्रों के लिए एचआरक्लब का भव्य शुभारंभ शनिवार को कराया गया। एकेडमिक काउंसिल की इस श्रृंखला में प्रत्येक शनिवार विद्यार्थियों को मैनेजमेंट गतिविधियों के माध्यम से कार्पोरेट सेक्टर के बारे में अवगत कराया जायेगा। शुभारंभ नामक इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रबंधन के 300 से ज्यादा विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया । इस अवसर पर कालेज प्रबंधन से समूह ओएसडी डॉ सुनील सिंह, मेनेजमेंट डायरेक्टर डॉ अरविंद सिंह, ओएसडी उषा सिंह, क्लब संस्थापक डॉ खुशबू गुप्ता, क्लब अध्यक्ष उत्कर्ष गुप्ता ने रिबन काट के क्लब की औपचारिक शुरुआत की । कार्यक्रम में क्लब के मुख्य भूमिका में रहे अक्षत जैन, प्रवीण लोधी, अश्मी सोनी एवम मुख्य टीम को सम्मानित किया गया । गतिविधियों में उत्तीर्ण रहे प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का प्रबंधन डॉ अंजली वर्मा के मार्गदर्शन में आस्था सेंगर व ऋषभ श्रीवास्तव ने किया एवम संचालन कृति पटैत ने किया ।

भोपाल गैस कांड की 39 वीं बरसी पर

स्मारक के पास इकट्ठे हुए गैस पीड़ित, मृतकों को श्रद्धांजलि दी

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल गैस कांड की 39वीं बरसी रविवार को है। लेकिन इसके एक दिन पहले शनिवार को गैस पीड़ितों से जुड़े संगठनों ने मशाल रैली और श्रद्धांजलि सभा की। गैस पीड़ित संगठन यूनियन कार्बाइड फैक्टरी के सामने बने स्मारक पर इकट्ठा हुए और मृतकों को श्रद्धांजलि भी दी। इस दौरान वे लोग भी मौजूद थे, जिन्होंने गैस त्रासदी के दौरान अपनों को खोया और खुद भी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं।

गैस पीड़ितों से जुड़ी 7 से अधिक संस्थाओं ने अलग-अलग कार्यक्रम किए। संभावना ट्रस्ट क्लिनिक की ओर से स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान मोमबत्ती भी जलाई गई। भोपाल गैस पीड़ित स्टेशनरी कर्मचारी संघ, भोपाल गैस पीड़ित महिला-पुरुष संघर्ष मोर्चा, भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा और भोपाल ग्रुप फॉर इनफार्मेशन एंड एक्शन के पदाधिकारियों ने भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। गैस पीड़ित निराश्रित पेंशन भोगी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव ने बताया कि गैस पीड़ितों ने नीलम पार्क में डाव केमिकल कंपनी यूएसए का पुतला फूंका और प्रदर्शन भी किया।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का किया आयोजन

उधर गैस पीड़ित संघर्ष सहयोग समिति गैस काण्ड कांड की 39 वो बरसी के अवसर पर आज स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। साधना कर्णिक प्रधान ने बताया कि शिविर में 300 गैस पीड़ितो की आंखों व स्वास्थ्य का परीक्षण कर निशुल्क आयुर्वेदिक दवाई वितरित की गई। रविवार को गैस पीड़ितो को 100 चश्मे वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही दोपहर 1 बजे से यूनियन कार्बाइड पर श्रद्धांजलि सभा कर 12 सूत्रीय मांग पत्र प्रस्तुत किया जाएगा। साधना ने बताया कि आज शिविर में 18 मोतियाबिंद के मरीज पाए गए जिन्हें 7 तारीख को गाड़ी की व्यवस्था कर ऑपरेशन हेतु अस्पताल भेजा जाएगा। वहीं अगले वर्ष गैस काण्ड कांड की 40 वी बरसी के कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत स्वास्थ्य शिविर की गतिविधि जारी रहेगी।

भाकपा ने गैस पीड़ितों की मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने भोपाल गैस त्रासदी की बरसी पर शनिवार को स्थानीय इतवारा क्षेत्र में गैस पीड़ितों को अधिकतम मुआवजा, आजीवन नि:शुल्क इलाज, निराश्रितों को सम्मानजनक पेंशन ,न्याय देने संबंधी विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने केन्द्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार पर भोपाल के गैस पीड़ितों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए इन सरकारों के अमानवीय व्यवहार की कड़ी भर्त्सना की है। गैस पीड़ितों की मांगों को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा संसद के बजट सत्र के दौरान नई दिल्ली में प्रदर्शन कर भारत के राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया जाएगा।

इस अवसर पर पार्टी के राज्य सह सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने कहा कि केन्द्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के गैस पीड़ितों के साथ विश्वासघात के कारण ही भोपाल के गैस पीड़ित न्याय और अधिकतम मुआवजे से वंचित हैं। गैस पीड़ितों की न्याय , अधिकतम मुआवजा, आजीवन नि:शुल्क इलाज , सम्मानजनक पेंशन देने की अपनी जिम्मेदारी से सरकार पीछे हट रही है ।सुप्रीम कोर्ट ने ही अपनी टिप्पणी में यह स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। अमेरिका सहित अन्य देशों में भोपाल के गैस पीड़ितों के हक में आवाज़ उठाई जा रही है। लेकिन भारत की संसद और मध्य प्रदेश विधान सभा में भोपाल के गैस पीड़ितों के हितों की रक्षा को लेकर सरकार अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं कर रही है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। गैस पीड़ितों की विभिन्न मांगों को लेकर पार्टी द्वारा हजारों गैस पीड़ितों के हस्ताक्षर का ज्ञापन नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान जिला सचिव कॉमरेड ए एच सिद्दीकी,मुन्ने खान, फिदा हुसैन, नवाब उद्दीन, शेर सिंह, महफूज खान , महेश ताम्रकार, चांद भाई, सरवन ,राजू खान, असलम, लल्लू भाई, आजम खान, अकरम खान सहित बड़ी संख्या में भाकपा सदस्य शामिल हुए।

साहित्य

कहानी

नई जंग

■ ख्वाजा अहमद अब्बास

जिस दिन सूबेदार राजिन्दर सिंह की पेंशन मुक़र्रर हुई तो वो बहुत परेशान थे। ऐसा लगता था कि ज़िंदगी का सबसे बड़ा सहारा ही जाता रहा। सूबेदार ने अपनी सारी उम्र फ़ौज में काटी थी। न जाने कितनी जंगों में जान पर खेल कर आधे दर्जन तमगे हासिल किए थे। कितनी ही छावनियों की ख़ाक छानी थी। अपनी बहादुरी और मुस्तैदी से न जाने कितने अफ़सरों की ख़ुशनूदी हासिल की थी। मामूली सिपाही से जमादार और जमादार से सूबेदार मुक़र्रर हुए थे। फ़ौज का कोई ऐसा काम नहीं था जिसमें उन्होंने अपना सिक्का न बिठाया हो। निशाने बाज़ी में हमेशा नंबर अव्वल। चाहे छावनी में चाँद मारी हो या फ़्रंट पर दुश्मन के ख़िलाफ़ लड़ाई। सूबेदार राजिन्दर सिंह का निशाना कभी ख़ता नहीं हुआ था। अपने सिपाहियों को परेड कराते तो एक साथ काम करने वाली मशीनें बना देते। उनका अपने रंगरूटों और सिपाहियों से हमेशा यही कहना होता था। एक साथ क़दम उठाओ। जवानो एक साथ काँधे से काँधा मिलाओ, सीना तानो ऐसे जैसे फ़ौलाद की दीवार। लेफ़्ट राइट... लेफ़्ट राइट...?

पहली जंग-ए-अज़ीम में राजिन्दर सिंह बिलकुल जवान था। जवानी के जोश में ऐसे लड़ता था जैसे मस्त हाथी। इराक़, अरब, जर्मनी, फ़्रांस। जंग के कितने ही मैदानों में उसने अपनी बहादुरी के झंडे गाड़े थे उसे कितने ही मैडल मिले थे। उसके अंग्रेज़ अफ़सरों ने उसकी पीठ ठोंकी थी। जब वो वापस आया था तो उसको कहा गया कि वो चाहे तो फ़ौज छोड़कर अपने गाँव में खेती बाड़ी कर सकता है। उसकी जंगी ख़िदमात के ईनाम में उसको ज़मीन भी अलॉट हुई थी। नौजवान जमादार ने अपने कैप्टन से कहा था। अभी तो यही इरादा है साहब कि गाँव जा कर पहले शादी करूँ और फिर खेती बाड़ी में अपने बाप का हाथ बटाऊँ। मगर कैप्टन ने कहा, वेल जमादार अभी तुम्हारा तीन महीने का छुट्टी बाक़ी है। तुम घर जा सकता है। तीन महीने के अंदर हमको बोलेगा कि आर्मी छोड़ना माँगता है तो हम छोड़ देगा। नहीं तो तुम इधर वापस आ सकता है। हम तुमको अपनी रेजिमेंट में रखेगा जो फ़र्रंटियर जाने वाली है।

ये सुनकर नौजवान जमादार सिर्फ़ मुस्कुरा दिया था। उसने सोचा था हमारे साहब को क्या मालूम कुलवंत कौर क्या चीज़ है। भला कोई ऐसी लड़की से ब्याह करने के बाद घर छोड़कर फ़ौज में जा सकता है ?कुलवंत उनके ही गाँव के पेंशनर सूबेदार रणजीत सिंह की बेटी थी। कुलवंत जिसकी राइफ़ल की नाली जैसी काली-काली आँखें थीं और जिसके बाज़ू ऐसे गदराए हुए थे जैसे आर्मी की डबल-रोटी और जिसकी ज़बान ऐसे चलती थी जैसे मशीन गन और जिसकी याद हर फ़्रंट की हर ट्रेंच में राजिन्दर सिंह के साथ-साथ ऐसे चलती थी जैसे हर रेजिमेंट के साथ सीपरज़ाएंड माईनरज़ का दस्ता चलता है।

पहली जंग-ए-अज़ीम में राजिन्दर सिंह बिलकुल जवान था। जवानी के जोश में ऐसे लड़ता था जैसे मस्त ?हाथी। इराक़, अरब, जर्मनी, फ़्राँस। जंग के कितने ही मैदानों में उसने अपनी बहादुरी के झंडे गाड़े थे उसे ?कितने ही मैडल मिले थे। उसके अंग्रेज़ अफ़सरों ने उसकी पीठ ठोंकी थी। जब वो वापस आया था तो ?उसको कहा गया कि वो चाहे तो फ़ौज छोड़कर अपने गाँव में खेती बाड़ी कर सकता है। उसकी जंगी ?ख़िदमात के ईनाम में उसको ज़मीन भी अलॉट हुई थी। नौजवान जमादार ने अपने कैप्टन से कहा था।

मगर छः बरस के बाद जब वो अपने गाँव पहुँचा और उसके सब रिश्तेदार और दोस्त उससे मिलने, जंग के हालात सुनने और उसके माँ-बाप को उसकी ख़ैरियत से वापसी पर मुबारकबाद देने, राजिन्दर सिंह के घर आए। मगर उसकी आँखें कुलवंत को ढूंढती रहीं। जब सब अपने-अपने घर चले गए तो उसने अपनी माँ से पूछा, माँ। कुलवंत नज़र नहीं आई। और तब उसकी माँ ने उसे वो सब कुछ बता दिया जो तीन बरसों से उससे छुपाते आए थे और जिसके बारे में उसके माँ बाप ने जान-बूझ कर किसी ख़त में ज़िक्र नहीं किया था कि ये ख़बर पढ़ कर न जाने वहाँ मैदान-ए-जंग में बेटा क्या कर बैठे और राजिन्दर को मालूम हुआ कि कुलवंत के ब्याह को तो तीन बरस हो चुके हैं। उसकी शादी क़रीब के गाँव में एक नौजवान ठेकेदार बखूतावर सिंह से हो गई है और अब तो उसकी गोद में एक बच्चा खेलता है।

ये सुनकर राजिन्दर कुछ नहीं बोला। उसे ऐसा महसूस हुआ कि शादी की शहनाइयाँ जो बरसों से उसके कानों में गूंज रही थीं अब दूर होती जा रही हैं... यहाँ तक का वो याद के धुँदलके में खो गईं और उनकी बजाय बिगुल की आहनी चीख़ दूर से पुकारती हुई क़रीब आती गई और उसके शऊर में हज़ारों बम ब-यक-वक्त फट पड़े।

और अगले रोज़ सुबह सवेरे ही वो वर्दी पहन कर वापस जाने को तैयार हो गया। माँ-बाप ने घबराकर सबब पूछा तो उसने सिर्फ़ इतना कहा, बस दो दिन ही की छुट्टी मिली थी। कल हमारी रेजिमेंट फ़र्रंटियर के लिए रवाना हो रही है।

फ़र्रंटेकर रज़बक, जमरूद और दर्रा-ए-ख़ैबर की छावनियाँ। कितने ही बरस उसने कोशिश की किसी पठान की गोली उसका सीना चीर कर इस कमबख़्त जान-लेवा याद का गला घोंट दे जो अब तक उसके दिल को नर्ग़े में लिए हुए है। पर न जाने क्यों हर गोली उससे कतरा के निकल गई।

आसाम, बर्मा की सरहद, जंगल, मलेरिया, उसके कितने ही साथी जो गोलों और गोलियों से न मरे थे मामूली बुख़ार का शिकार हो गए। मगर राजिन्दर को मौत न आई।

दूसरी जंग-ए-अज़ीम में राजिन्दर ने कहाँ-कहाँ मौत को तलाश नहीं किया मिस्र और लीबिया के लक़्क़-ओ-दक़ रेगिस्तान कोहिमा और बर्मा की पहाड़ियाँ। मिलाया के जंगल और दलदल। उसके सीने पर तमग़े लगते रहे। जमादार से वो सूबेदार हो गया। उसकी दाढ़ी में सफ़ेद बाल चमकने लगे। मगर जितने भी ज़ख़्म उसे लगे उनमें कोई भी कारी न साबित हुआ। और एक याद का घाव अंदर ही अंदर सताता रहा यहाँ तक कि दूसरी जंग-ए-अज़ीम भी ख़त्म हो गई। हिन्दोस्तान आज़ाद हो गया। मुल्क की तक़सीम हो गई और राजिन्दर सिंह को पेंशन दे दी गई।

छावनी में ये उसका आख़िरी दिन था। वो ह्.ष्ट.ह्.स के मेस में अकेला बैठा बे-तवज्जुही से रेडियो सुन रहा था पर एक जानी बूझी आवाज़ हिंदुस्तानियों को एक नई जंग के लिए ललकार रही थी।

ये जंग किसी बैरूनी दुश्मन के ख़िलाफ़ नहीं है बल्कि अंदरूनी दुश्मनों के ख़िलाफ़ है...

राजिन्दर सिंह के फ़ौलादी हाथ की पकड़ अपनी राइफ़ल पर और भी मज़बूत हो गई।

ये जंग है जहालत के ख़िलाफ़...

ये जंग है मुफ़लिसी और बेकारी के ख़िलाफ़...

ये जंग है बीमारी के ख़िलाफ़ ...

इस जंग में ख़ंदक़ें नहीं खोदी जाएँगी। कुएँ खोदे जाऐंगे।

इस जंग में अपनी हिफ़ाज़त के लिए संगीन फ़सीलें नहीं बनाई जाएँगी, स्कूलों और हस्पतालों की दीवारें खड़ी की जाएँगी।

ये जंग बंदूक़ों और तलवारों, मशीन गनों और बमों से नहीं, हलों और कुदालों और ट्रैक्टरों और बुल्डोज़रों से लड़ी जाएगी।

राजिन्दर सिंह की समझ में कुछ आया और कुछ नहीं आया। उसे ऐसा महसूस हुआ कि उसके लिए ये नई जंग भी ऐसी ही है जैसी और आम जंगें जो उसने अब तक लड़ी थीं।

वो अरबों से, तुर्कों से, जर्मनों और इतालवियों से और फिर जापानियों से लड़ा था। हालाँकि उसको उनसे कोई दुश्मनी नहीं थी। सिर्फ़ इसलिए लड़ा था कि ये उसके अफ़सरों का हुक्म था और आज उसका सबसे बड़ा अफ़सर उसे इस नई जंग के लिए ललकार रहा था। मगर अब भी सूबेदार राजिन्दर सिंह को ये यक़ीन नहीं था कि ये जंग उसकी अपनी जंग है और उसके अपने दुश्मनों के ख़िलाफ़ है।

उसके दिमाग़ में और उसके दिल में एक अजीब तन्हाई का, एक अजीब अंधेरे का एहसास था। जैसे काली रात में कोई सिपाही जंगल में रास्ता भूल जाए और उसे ये न मालूम हो कि दुश्मन की फ़ौज किधर है। आज उसे अपनी रेजिमेंट से छुट्टी मिल जाएगी। इसके बाद वो कहाँ जाएगा, क्यों जाएगा, कहाँ रहेगा, क्या करेगा। माँ, बाप दोनों मुद्दत के मर चुके थे अब गाँव में उसका कौन है। जिसके पास वो जाए।

इतने में उसे किसी के नए फ़ौजी जूतों की खट-खट सुनाई दी। सूबेदार ने देखा कि एक नौजवान रंगरूट जिसके नर्म-नर्म सर के बाल पगड़ी से बाहर निकले हुए थे और जिसके चेहरे पर दाढ़ी की जगह अभी सिर्फ़ सुनहरी रुआँ ही उगा है। जो पहली बार वर्दी पहन कर अजीब-अजीब लग रहा है और जिसकी निगाहें इधर-उधर किसी को ढूंढ रही हैं। और न जाने उसे कैसे ये महसूस हुआ कि उसने इस लड़के को कहीं देखा है।

सूबेदार राजिन्दर सिंह आप ही हैं

हाँ मैं ही हूँ। तुम कौन हो... बेटा और न जाने उस नौजवान को बेटा कहना राजिन्दर सिंह को क्यों अच्छा लगा।

जी मेरा नाम अमर सिंह है।

तुम्हारे पिता का नाम

बखूतावर सिंह।

क्या काम करते हैं

जी वो ठेकेदारी करते थे। पर कई बरस हुए उनका देहांत हो गया।

और तुम ठेकेदार के बेटे हो कर फ़ौज में भर्ती होने आए हो। क्यों

मेरी माँ ने कहा। मुझे फ़ौज में भर्ती होना चाहिए। देश की हिफ़ाज़त करने के लिए।

बड़ी बहादुर माँ है तुम्हारी। मगर मेरा नाम तुम्हें किसने बताया

माँ ने। वो कहती थीं सूबेदार साहब के पास जाना वो तुम्हें फ़ौज के बारे में सब बता देंगे।

और कुछ भी कहा था

कहा था सूबेदार साहब से कहना उनके गाँव की हालत बहुत ख़राब है।

कहाँ रहती है तुम्हारी माँ।

अपने बाबा के गाँव। सिंघपुर में। तो आप जाऐंगे ना

हाँ बेटा ज़रूर जाऊँगा। बल्कि आज ही, अभी। वहीं जा रहा हूँ। चलो मैं तुम्हें अपने कमांडर साहब से मिला दूँ। तुम्हें फ़ौज में सिंघपुर के बहादुर नौजवानों का नाम अमर रखना है।

वो दोनों एक बूढ़ा और एक जवान। एक पेंशनर और एक रंगरूट क़दम से क़दम मिलाए कैप्टन के ऑफ़िस की तरफ़ चले और उनके बूटों की आवाज़ दूर तक बरामदे में गूँजती रही।

और इस शाम को जब सूबेदार ने अपने गाँव की सरहद में क़दम रखा और तालाब पर मच्छर भिन-भिनाते देखा और मलेरिया के मारे किसानों को देखा और उनके टूटे-फूटे झोंपड़े देखे और हड्डियाँ निकले हुए बैलों को देखा और सूखे के मारे बच्चों को चीथड़े पहने गाँव की गंदी गलियों में खेलते देखा तो उसे दूर जंगी बिगुल बजने की आवाज़ सुनाई दी... ये ऐलान-ए-जंग था लेकिन किसी इन्सानी दुश्मन के ख़िलाफ़ नहीं बल्कि इन्सान के दुश्मनों के ख़िलाफ़। ग़ुर्बत के ख़िलाफ़। गंदगी के ख़िलाफ़... बीमारियों के ख़िलाफ़।

और एक-बार फिर राजिन्दर सिंह का सीना अज़्म से तन गया।

उसे अब नई जंग लड़नी थी।

मैं जोहिला : जोहिला के बहाने नर्मदा की कथा

■ अजय चन्द्रवंशी

आदिम मनुष्य की जिज्ञासा वृति और सहज वृत्ति अपने भौगोलिक परिवेश के अनुरूप मिथकों और लोक कथाओं को जन्म देती रही है। तत्कालीन ज्ञान की सीमाओं के चलते भी मनुष्य की द्वंद्व से मुक्ति की सहज वृति भी इन लोक कथाओं की उत्पत्ति का एक कारण रही है। प्रकृति का मानवीकरण भौतिक वस्तुओं पर चेतना का आरोपण सार्वभौम है, और इसने कई दिलचस्प लोक कथाओं को जन्म दिया है।

लोककथाओं/ विश्वासों में निंदा या सम्मान में चूक की संभावना अपेक्षाकृत कम होती है। इसलिए यदि लोकविश्वास नर्मदा के पक्ष में है और जोहिला और शोणभद्र को लांक्षित करता है तो मानना चाहिए नर्मदा के पक्ष में यह सहानुभूति अकारण नहीं है।

नर्मदा-शोण(सोन)- जोहिला की भौगोलिक स्थिति की विलक्षणता लोकमानस में इस प्रेम त्रिकोण की कथा को विकसित होने के लिए अनुकूल परिस्थिति पैदा करती है। एक ही जगह(अमरकंटक पहाड़ी क्षेत्र) से निकलकर नर्मदा (पश्चिम) और सोन(पूर्व) का विपरीत दिशा में प्रवाह जन मानस में दोनो में अलगाव की कथा सृजित होने के लिए उपयुक्त था। उस पर जोहिला और शोण का संगम ने प्रेम त्रिकोण का रूप लिया।

उपन्यासकार ने इस लोककथा को औपन्यासिक स्वरूप दिया है। वे उस परिवेश से जुड़े हैं और नर्मदा की लोक महत्ता से परिचित और प्रभावित हैं इसलिए उपन्यास का शीर्षक भले %मैं जोहिला% है मगर कहानी मुख्यत: नर्मदा की है। ऐसा प्रतीत होता है जोहिला और शोण इस कथा के उपादान मात्र हैं और केन्द्रीयता नर्मदा की त्रासदी को व्यक्त करना है। यों लोककथा की सीमितता भी अधिक कहने का अवसर नहीं देती बावजूद लेखक ने अपेक्षित विस्तार का प्रयास किया है।

नर्मदा और जोहिला बचपन से सखी हैं। नर्मदा राजसी कन्या है और जोहिला सामान्य नागरिक की पुत्री फिर भी दोनो में गहरी मित्रता है। नर्मदा के व्यवहार से कहीं परिलक्षित नहीं होता कि वह खुद को उससे या अन्य सखियों से उच्च मानती है। जोहिला भी कभी नर्मदा को गैर नहीं समझती या उसके राजसी कन्या होने से मित्रता में कभी असहज महसूस करती है। अवश्य युवावस्था की नैसर्गिक आकांक्षा जोहिला मे नर्मदा की अपेक्षा अधिक प्रकट होती है।यों जोहिला भी संयमित है मगर उसके अंदर नर्मदा के प्रति एक सहज मानवीय प्रतिस्पर्धा का भाव है जो अनायास प्रकट होते रहता है। वह कई बार महसूस करती है कि वह नर्मदा से अधिक रूपवती है मगर उसके अनुरूप उसे प्रतिष्ठा नहीं मिलती। जाहिर है इसका एक कारण सामाजिक स्थिति का अंतर भी है। मगर नर्मदा के अंदर कहीं पर श्रेष्ठताबोध अथवा जोहिला के प्रति प्रतिस्पर्धा भाव प्रकट नहीं हुआ है। लेखक ने कथा का माध्यम जोहिला को बनाया है मगर हम कह चुके हैं पूरे उपन्यास में नर्मदा व्याप्त है। घटनाक्रम की नाटकीयता और प्रेम का द्वंद जो उपन्यास के आखिरी हिस्से में है वह सहज नहीं जान पड़ता।

जोहिला का शोण को देखकर उसके मनुहार पर पिघलते जाना और आंतरिक रजामंदी कहीं गहरे उसके नर्मदा के प्रति अव्यक्त प्रतिस्पर्धा का प्रकटीकरण लगता है जिसकी झलक कई बार उसके अपने रुपाकर्षण के प्रकटीकरण से मिलती है। अवश्य उसमें हल्का सा द्वंद्व और अपराधबोध दिखता है मगर वह उसके शोण के प्रेम निवेदन के आगे कुछ भी नहीं है। इससे विचित्र स्थिति शोण की है। वह कोमोमण्डल का राजकुमार है। अवश्य जागीर छोटी है, मगर है तो जागीर। वह रूपवान योग्य युवक है। नर्मदा के स्वयंवर की शर्त बकावली पादप लाने को कठिन परिस्थितियों में वह पूरा करता है। पूरी विवाह की तैयारी हो जाती है बरात नर्मदा के घर तक आ जाती है। शोण के मन मे कहीं कोई असमंजस या द्वंद्व नहीं दिखाई देता, जिससे लगे कि इस विवाह में उसके लिए कहीं कुछ गलत भी है। मगर जैसे ही वह जोहिला को देखता है। उसके रूप सौंदर्य पर मोहित होता है और तब नर्मदा के प्रति उसके बहुत से असमंजस प्रकट होने लगते हैं।

शोण जिसे प्रेम कहता है वह सामंती अभिरुचि से गंभीर रूप से ग्रस्त है। वह प्रथमत: जोहिला को नर्मदा के साथ भी पाने को तैयार है, उसके लिए यहां कोई दुविधा नहीं है। शोण अपने नर्मदा के प्रति असहजता के लिए जो तर्क गढ़ता है, वह बेहद लचर है। ये सारे तर्क जोहिला को.पाने के भ्रान्त तर्क प्रतीत होते हैं। वह कहता है नर्मदा के परिवेश और व्यक्तित्व और उसके परिवेश में काफी अंतर है जिसका कारण वह नर्मदा और उसके पिता के साम्राज्य की विशालता और अभिजात्य परिवेश को बताता है और स्वयं उससे कमतर मानता है। फिर आगे अपनी कद-काठी को नर्मदा की अपेक्षा कम जानकर हीनता महसूस करता है। आश्चर्य है उसे ये बातें पहले ध्यान नहीं आती! फिर क्या दाम्पत्य में छोटी-मोटी असमानताएं नही होती? फिर यह बात शोण स्वयंवर जीतने के बाद स्पष्ट कर सकता था जिससे नर्मदा को इस तरह विवाह मंडप में आहत नहीं होना पड़ता। इस सम्बंध में शोण का तर्क कि जब मैं बकावली लाने के लिए निकला, तब तक मैंने इस सम्बंध में कुछ भी स्पष्ट रूप से नहीं सोचा था! बाद में जब जब इस ओर गया, तब तक बहुत विलंब हो चुका था। दूसरे के जीवन से खिलवाड़ की कीमत पर यह असमंजसता कमाल का है!

शोण के इस तर्कजाल का अगला तर्क यह है; वह जोहिला से कहता है आप ही मेरे व देवी नर्मदा के मध्य आजीवन सेतु का कार्य कर सकती हैं। नर्मदा से दूर भी रहना है और नर्मदा जैसी स्त्री(जोहिला) की चाह भी है! आगे वह जोहिला से कहता है क्या यह सत्य नहीं कि मेरी भांति आप भी मूलत: जनकन्या हैं? एक छोटा सामंत भी अपने को आमजन कह सकता है! इसमे बुराई नहीं लेकिन आगे का तर्क क्या यह भी सत्य नहीं कि हमारी जोड़ी भी आदर्श होगी, क्योंकि मैं आपसे तनिक लंबा हूँ कमाल का तर्क है दाम्पत्य के लिए पुरूष का स्त्री से कद में लंबा होना जरूरी (आदर्श)है! कहाँ प्रेम का उदात्त रूप जहां वर्ण, जाति, शारीरिकता, खत्म हो जाता है, और कहाँ यह शारीरिक नाप-जोख!

इस तर्कजाल में जोहिला का भी बराबर सहयोग है। कहती है अपनी दुर्दशा के लिए नर्मदा परोक्षत: स्वयं दायी थी। मैने उसे कितना समझाया था कि विवाह जैसे नितांत व्यक्तिगत मसले को लोक कल्याण का उत्स न बनाये।....अब उसे आघात लगा तो वह उसका कारण खोजने के लिए स्वयं के अंतर में झांकने के बदले मुझे कोस रही थी...सोन के जीवन मे मैं नहीं आती तो कोई अन्य आता। इन सब बातों का ध्यान जोहिला को सोन से मिलने के पहले नही आया! माना विवाह व्यक्तिगत मसला है, मगर नर्मदा इसे जनकल्याण से जोड़कर कभी द्वंद्व में नहीं रही थी। वह अपना नायक जननायक चाही तो इसमे बुराई क्या है फिर जिसने स्वयम्वर जीता उसे उसने सहज स्वीकारा। कहीं कोई दुविधा नहीं।न ही यह कोई बनावटी उपक्रम था। इसे बनावटी बताने का उपक्रम शोण और जोहिला कर रहे हैं। आगे एक स्थल पर जोहिला कहती है यह यह ठीक था कि उसने(नर्मदा) अपने ही द्वारा पैदा की परिस्थिति का सामना ना कर उससे पलायन किया था, किंतु यह पलायन तो उसके जुझारू व्यक्तित्व के अनुरूप न था। गजब का तर्क है अपने कार्य के औचित्य को सिद्ध करने के लिए दूसरे पर दोषरोपण कर दो!

त्रासदी होनी थी, हो गई। जोहिला और शोण मिल गए। आहत नर्मदा उनसे दूर चली गई।जोहिला स्वीकारती भी है वह चाहती तो दोनों को नुकसान पहुंचा सकती थी, मगर उसने ऐसा नहीं किया, बल्कि एक तरह से उनके रास्ते से हट गई। उसके व्यक्तित्व की उदात्तता कहीं क्षीण नहीं होती। केवल एक जगह दोनो को अंतरंग सम्बन्ध में बंधे देखकर कर आवेशित होती है और अपशब्द कहती है, जो परिस्थितिवश बहुत असामान्य नहीं है। हमने ऊपर शोण और जोहिला के 'सहज प्रेम' के दावा को प्रश्नांकित करने का प्रयास किया है और 'प्रकृतवाद' से प्रभावित कहा है तो सम्भव है किसी को हमारे विवेचन में 'नैतिकतावाद' हावी दिखाई दे। इस सम्बंध में हमारा कहना है कि अवश्य प्रेम नैसर्गिक होता है, वह कहीं भी किसी से हो सकता है, मगर हर तात्कालिक आकर्षण जरूरी नहीं की प्रेम भी हो, उसमे ठहराव भी जरूरी है।

आमुख में अनामिका जी ने लिखा है पूर्णता का आदर हो सकता है पर उससे प्रेम पाना आसान नहीं, न ही उसके प्रेम का पात्र हो पाना आसान है। कहीं तो कुछ अधूरा हो तभी तो समर्पण की आस जगे। दो अर्धगोले ही मिलकर प्रेम का ग्लोब पूरा करते हैं-जैसे शोण और जोहिला ने किया। इससे हमारी सहमति है मगर उपन्यास में नर्मदा का चरित्र उदात्त होकर भी मानवीय है और वह मानवीय आकांक्षाओं से भरी हुई है।अवश्य उसमे एक गरिमामय गोपन है। मगर विवाह के समय उसकी उत्सुकता उसकी मानवीयता को ही उजागर करती है।उसके व्यक्तित्व में ऐसी 'पूर्णता' नहीं है जिसमे कुछ भरा ही न जा सके और वह मानवीय आकांक्षाओं से परे हो। लेखक ने संक्षिप्त कथा को औपन्यासिक रूप देने का बेहतर प्रयास किया है और उसमे सफल भी है। नर्मदा के चरित्र में उदात्तता है मगर उसका चित्रण मानवीय है। सिर्फ एक जगह भविष्यवक्ता साधु के संदर्भ में इसके दैवीय रूप की झलक मिलती है जो हमारी समझ मे कथा-प्रवाह के लिए सहज नहीं है। इस तरह नर्मदा के दैवीय रूप दिखाने से आगे की उसकी त्रासदी 'लीलामात्र' प्रतीत हो सकती है क्योंकि इससे वह भूत-भविष्य की जानकर प्रतीत होने लगती है।

बहरहाल लेखक लोकमान्यता की सीमाओं से बंधा है, उसे उपन्यास का विस्तार उस दायरे में ही करना है, बावजूद इसके उसने कथानक का विस्तार बेहतर ढंग से करने का प्रयास किया है।पाठकों का संवेदनात्मक जुड़ाव भिन्न-भिन्न अभिरुचि, व्यक्तित्व और संस्कार के अनुरूप भिन्न-भिन्न पात्रों से हो सकता है।

कृति- मैं जोहिला(उपन्यास)
लेखक-प्रतिभू बनर्जी
प्रकाशन- नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

कविता : युद्ध करता है अनथक मेहनत

ईराकी कविता- दुन्या मिखाइल

■ अंग्रेज़ी से रूपांतर-ललित सुरजन

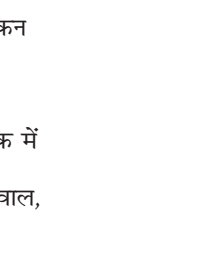

देखो, सचमुच कितना
भव्य है युद्ध!
कितना तत्पर और
कितना कुशल!
अलस्सुबह वह
साइरनों को जगाता है और
एंबुलेंस भेज देता है
दूर-दराज़ तक,
हवा में उछाल देता है
शवों को और
घायलों के लिए
बिछा देता है स्ट्रेचर.
वह माताओं की आँखों से
बुलाता है बरसात को,
और धरती में गहरे तक धँस जाता है
कितना कुछ तितर-बितर कर,
उधर खंडहरों में,
कुछ एकदम मुर्दा और चमकदार
कुछ मुरझाए हुए लेकिन
अब भी धड़कते हुए
वह बच्चों के मष्तिष्क में
उपजाता है हज़ारों सवाल,
और आकाश में
राकेट व मिसाइलों की आतिशबाजी कर
देवताओं का दिल बहलाता है,
खेतों में वह बोता है
लैंडमाइन और फिर उनसे
लेता है जख़्मों व नासूरों की फसल,
बह परिवारों को बेघर-विस्थापित
हो जाने के लिए करता है तैयार,
पंडों-पुरोहितों के साथ होता है खड़ा
जब वे शैतान पर लानत
फेंक रहे होते हों
(बेचारा शैतान,उसे हर घड़ी देनी होती है
अग्नि परीक्षा)
युद्ध काम करता है निरन्तर
क्या दिन और क्या रात,
वह तानाशाहों को
लंबे भाषण देने के लिए
प्रेरित करता है,
सेनापतियों को देता है मैडल
और कवियों को विषय,
वह कृत्रिम अंग बनाने के कारखानों को
करता है कितनी मदद,
मक्खियों तथा कीड़ों के लिए
जुटाता है भोजन,
इतिहास की पुस्तकों में
जोड़ता है पन्ने व अध्याय,
मरने और मारने वालों के बीच
दिखाता है बराबरी,
प्रेमियों को सिखाता है पत्र लिखना
व जवाँ औरतों को इंतज़ार,
अखबारों को भर देता है
लेखों व फोटो से,
अनाथों के लिए बनाता है नए घर,
कफन बनाने वालों की कर देता है चाँदी
कब्र खोदने वालों को देता है शाबासी,
और नेता के चेहरे पर
चिपकाता है मुस्कान,
युद्ध अनथक मेहनत करता है बेजोड़,
फिर भी क्या बात है कि
कोई उसकी तारीफ में
एक शब्द भी नहीं कहता।

जुलाई 2009

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

परिणाम से पहले भक्ति में लीन प्रत्याशी

सिरोंज, देशबन्धु। चुनाव परिणाम से पहले मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस में

टक्कर दिखाई दे रही है।इसी के चलते भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने आज देवी महामाई व विश्वनाथ धाम देवपुर के दर्शन किए तो कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी ने दिन भर भक्ति में लीन रहकर देव चतुर्भुज मंदिर बोरवाड़ी में दर्शन किए।

दुर्घटना में घायल फल विक्रेता की अस्पताल में मौत

मुरैना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली क्षेत्र के बीएसएनएल ऑफिस के पास गत दिवस सडक़ दुर्घटना में घायल एक फल विक्रेता की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस द्वारा मृतक का पीएम कराकर लास परिजनों को सौंप दी है और अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनिवास खरे पुत्र रणधीर जाटव उम्र 50 निवासी सिंगल बस्ती नई आबादी शुक्रवार को शुक्रवार हाइवे स्थित बीएसएनल ऑफिस के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से सडक़ दुर्घटना में घायल हो गया। घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने पहचान सोशल मीडिया पर डले फोटो से की, जिसमें मृतक के पैर की दो उंगली कटी हुई थी। पुलिस द्वारा अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

तैयारियां पूर्ण : शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में आज होगी मतों की गिनती

सुबह 8 बजे डाक मतपत्रों से शुरू होगी मतगणना

रायसेन,देशबन्धु। जिले में 17 नवम्बर को हुए चारों विधानसभा उदयपुरा, भोजपुर, सांची और सिलवानी में हुए मतदान की मतगणना की तैयारियों को लेकर समस्त तैयारियों पूरी कर ली गई हैं। रविवार 3 दिसम्बर को रायसेन स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में की जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे ने बताया कि रविवार को सुबह 8 बजे से शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज रायसेन में मतगणना की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। प्रत्येक विधानसभा के लिए 2-2 मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र उदयपुरा, भोजपुर तथा सांची के लिए प्रथम कक्ष में ईव्हीएम से मतगणना के लिए 7 टेबिल एवं डाक मतपत्रों की गणना के 3 टेबिल लगाई गई है एवं कक्ष क्रमांक 2 में ईव्हीएम से मतगणना के लिए 11 टेबिल लगाई गई है।इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र सिलवानी अंतर्गत प्रथम मतगणना कक्ष में ईव्हीएम से मतगणना के लिए 7 टेबिल और

डाक मतपत्रों के लिए 3 टेबिल लगाई है एवं कक्ष क्रमांक 2 में ईव्हीएम से मतगणना के लिए 7 टेबिल लगाई गई है।

ईव्हीएम मशीनों की मतगणना उपरांत प्रत्येक विधानसभा की 5 व्हीव्हीपीएटी मशीनों की पर्चियों की गणना की जाएगी। मतगणना की प्रक्रिया में मतगणना कक्ष में निर्वाचन आयोग द्वारा प्राधिकृत व्यक्तियों , प्रेक्षकों, निर्वाचन से संबंधित कर्तव्य पर या शासकीय सेवक और उम्मीदवार उनके निर्वाचन अभिकर्ता और गणना अभिकर्ता उपस्थित रहेंगे। मतगणना स्थल पर थ्री-लेयर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने बताया कि मतगणना परिसर में अधिकारिक मीडियाकर्मियों के उपयोग के लिए मीडिया सेंटर स्थापित किया गया है जो कि मतगणना स्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित है। जिसमें मूलभूत सुविधा जैसे कि टेलीफोन, कम्प्यूटर मय प्रिंटर, इंटरनेट सुविधा आदि की व्यवस्था भी की गई है। काउंटिंग हॉल में मोबाईल फोन, स्मार्ट वॉच, कैल्कुलेटर, इलेक्ट्रानिक उपकरण तथा धूम्रपान पूर्णत: रहेगा। अधिकारिक मीडिया कर्मियों को मोबाइल और अन्य कम्युनिकेशन उपकरण के उपयोग की अनुमति मीडिया सेंटर तक ही रहेगी।

मतगणना परिसर में आकस्मिक चिकित्सा के लिए चिकित्सक दल मय आवश्यक दवाईयों सहित उपस्थित रहेगा। मतगणना परिसर एवं मतगणना हॉल में प्रवेश से पहले सभी व्यक्तियों की चैकिंग की जाएगी तथा प्रवेश के बाद मतगणना परिसर से बाहर जाने पर पुन: प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

यहां करें शिकायत : मतगणना स्थल में 24 घण्टे शिकायत कंट्रोल रूम संचालित है जिसका संपर्क नंबर 91 7482299310 है, किसी भी प्रकार की जानकारी और समस्या होने पर इस नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देखे जा सकेंगे चुनाव के परिणाम

रायसेन, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए दिनांक 17 नवम्बर को हुए मतदान की 3 दिसंबर को मतगणना होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया 3 दिसम्बर 2023 को प्रात: 8 बजे से रायसेन सहित प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों में स्थापित मतगणना केन्द्रों में मतों की गिनती प्रारंभ होगी। मतगणना के राउन्ड-वाइज परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे। सर्वप्रथम प्रात: 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गणना प्रारंभ होगी। इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी।

पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के तत्काल बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। विधानसभा निर्वाचन-2023 की मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https://results.eci.gov.in और वोटर हेल्पलाइन एप (ङ्क॥) पर देखे जा सकेंगे। वोटर हेल्पलाइन एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा। इसके अलावा https://ceomadhyapradesh.nic.in पर भी मतगणना के परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे।

8 लाख की लागत से निर्मित होगी कब्रिस्तान की दीवार, कार्य शुरू

सिरोंज, देशबन्धु। कई वर्षों से तालाब किनारे वाले कब्रिस्तान का व्यवस्थित तरीके से गत वर्षों से कुछ भूमि स्वामी बनकर गलत तरीके से फायदा उठाकर लोगों से किराया वसूली का कार्य कर रहे थे,जिसको देखते हुए शहर के एडवोकेट शोएब खान द्वारा मेहनत करके उसको राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराया। जिससे अब वहां बाउंड्री वॉल कराकर कब्रिस्तान की व्याप्त गंदगी भी खत्म हो सकेगी । कब्रिस्तान मैं बाउंड्री वॉल नहीं होने की वजह से कब्रिस्तान में बढ़ रही थी गंदगी जिसको देखते हुए क्षेत्रीय उलेमा एवं मुस्लिम समाज के मशवरे के बाद ग़ाज़ी वाली अहमद साहब चिश्ती की सरपरस्ती में कब्रिस्तान के चारों तरफ दीवार उठाने का फैसला किया गया। इसकी जिम्मेदारी एडवोकेट खान को सौंपी गई । एडवोकेट शोएब खान द्वारा बाउंड्री बाल का काम शुरू करवा दिया गया करीब तीन दिन से कब्रिस्तान की दीवार का काम चल रहा है।इस विषय में एडवोकेट श्री खान ने बताया कि इस बाउंड्री बाल का काम पूरा होने के बाद शहर में जिन कब्रिस्तानों में गंदगी हो रही है उन कब्रिस्तान में भी बाउंड्री बाल करवा कर गेट लगाया जाएगा। जिसके बाद पालतू मवेशी कब्रिस्तान में नहीं जा सकेंगे और गंदगी से कब्रिस्तान को बचा सकेंगे। उन्होंने कहा कि हम धीरे-धीरे करके शहर में मौजूद सभी कब्रिस्तान में दीवार बनाने की मुहिम चलाएंगे।

वहीं श्री खान ने बताया कि सिरोंज बलेजा पेट्रोल पंप पर स्थित गोरी समाज के कब्रिस्तान है इसी से प्रेरित होकर गोरी समाज ने भी अपने कब्रिस्तानों की बाउंड्री बाल करने का फैसला किया है एवं काम शुरू भी कर दिया। सभी मुस्लिम वर्ग के लोगों को बढ़-चढ़कर ज्यादा से ज्यादा इस दीवाल के बनाने में सहयोग करने की आवश्यकता है, जिससे कि कब्रिस्तान की दुर्दशा बिगड़ने से बचे।

जनता परिणाम को आतुर, प्रत्याशियों की बढ़ी धडक़नें

मुरैना, देशबन्धु। गत 17 नवम्बर को जिले की 6 विधानसभा के मतदाताओं ने अपना जनप्रतिनिधि चुनने के लिए दिया गया मत ईव्हीएम में जमा हो गया था जो आज रविवार को मतगणना उपरांत प्रत्याशियों के भाग्य का निर्णय करेगा। 17 नवम्बर से लेकर वर्तमान समय तक जिले की 6 विधानसभाओं के मतदाता जनमत द्वारा दिये गये परिणाम को जानने के लिये आतुर है। वहीं मतगणना को लेकर जिले भर के सभी प्रत्याशियों की धडक़नें बढऩे लगी है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव 2023 के तहत जनता द्वारा 17 नवम्बर को किये गये मतदान का परिणाम आज 03 दिसम्बर रविवार को कड़ी चौकसी के बीच प्रत्याशियों के समक्ष घोषित किया जायेगा। एक ओर मतगणना को लेकर प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। वहीं मतगणना के परिणाम को जानने के लिये जनता भी काफी आतुर है। विगत 17 नवम्बर से अब तक चर्चाओं का दौर अलग-अलग प्रत्याशियों की जीत का दावा कर रहा था।

30 नवम्बर के बाद एग्जिट पोल ने भी अपने दावे कर दिये और कांग्रेस व भाजपा दोनों ही खेमों की धडक़ने बढ़ा दी। कुछ प्रत्याशी परिणाम से पूर्व ही अपनी जीत को लेकर पूर्ण रूप से आश्वस्त है तो कुछ प्रत्याशियों की धडक़नों की गति निरंतर बढ़ती जा रही है। विधानसभा क्षेत्र अम्बाह, दिमनी, मुरैना, सुमावली, जौरा की जनता अब एग्जिट पोल के नतीजों से बोर हो चुकी है और परिणाम जानने को आतुर है।

अबोध बालिका से बलात्कार के आरोपी को हुई 20 साल की जेल

मुरैना, देशबन्धु। माननीय न्यायालय विशेष न्यायाधीश पॉक्सो मुरैना ने प्र0क्रं0 92/22 में निर्णय पारित करते हुए पांच वर्षीय अबोध बालिका का बलात्कार करने वाले आरोपी व्ही. केवट उम्र 17 वर्ष पुत्र जे. केवट निवासी ग्राम रेमजा का पुरा थाना सबलगढ जिला मुरैना को धारा 5(एम)/6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का सश्रम कारावास व 5 हजार रूपए के अर्थदण्ड से दंडित किया गया। प्रकरण में पैरवी विशेष लोक अभियोजक/अति. जिला अभियोजन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा उमरैया द्वारा की गई।

मीडिया सेल प्रभारी (अभियोजन) श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने घटना के बारे में बताया कि घटना दरम्यानी रात 03-04 मई 2022 को अभियोक्त्री के परिवार में दो शादियां थीं। उस रात्रि को लगभग 09 बजे अभियोक्त्री की मां अभियोक्त्री घर पर नहीं मिली। रात्रि दो बजे अभियुक्त, अभियोक्त्री को उसके घर के बाहर छोडने आया, तब उसने अभियोक्त्री की मां से बोला कि मैंने अपनी हवस मिटा ली तुझे जो करना है वह कर ले और वहां से भाग गया। पीड़ित बच्ची की मां ने 05 मई 2022 को थाना सबलगढ में आरोपी व्ही. केवट के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई।

उक्त प्रकरण पॉक्सो एक्ट का होकर गंभीर प्रकृति का था। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय द्वारा पैरवीकर्ता अभियोजन अधिकारी विशेष लोक अभियोजक श्रीमती प्रतिभा उमरैया के साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होकर आरोपी व्ही. केवट को धारा 5(एम)/6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष का सश्रम कारावास व 5 हजार रूपए के अर्थदण्ड से दंडित किया गया।

इलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने किया हंगामा,

पुलिस ने संभाला मोर्चा

मुरैना, देशबन्धु। शनिवार की सुबह स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत फाटक बाहर स्थित संजीवनी हॉस्पिटल में तेज बुखार के चलते एक 26 वर्षीय महिला को शुक्रवार की रात भर्ती कराया गया, जिनकी उपचार के दौरान शनिवार की सुबह मौत हो गई। महिला की मौत पर परिजनों ने वहां हंगामा कर दिया और डॉक्टर पर हत्या का आरोप लगाने लगे। सूचना मिलते ही भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचा और स्थिति को संभाला। देर दोपहर को आश्वासन के पश्चात परिजन महिला के शव को ले गए।

जानकारी के अनुसार पप्पी कुशवाह पत्नी विजय कुशवाह 26 वर्ष निवासी लोंगट उम्मेदगढ बांसी थाना बागचीनी को तेज बुखार के चलते परिवरीजन फाटक बाहर स्थित संजीवनी हॉस्पिटल लेकर शुक्रवार की रात 9ः00 बजे पहुंचे, जहां खून की कमी पाई गई और मात्र 36000 प्लेटलेट ही बची थी।

चिकित्सक द्वारा उसका उपचार किया गया तथा रात्रि में कुछ आराम भी मिला, लेकिन सुबह अचानक महिला की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर मरीज को देखने तक नहीं आया और स्टॉफ ही ईलाज करता रहा।

घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल पर हंगामा खड़ा कर दिया और काफी संख्या में गांव से ग्रामीण आ गए, जिससे वहां स्थिति नियंत्रण के बाहर हो गई। सूचना मिलते ही नगर पुलिस अधीक्षक एवं स्टेशन रोड थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए तथा अस्पताल पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। देर दोपहर डॉक्टर योगेन्द्र यादव व कुशवाह समाज के लोगों के बीच मामले को शांत करने के लिए चर्चा हुई और आश्वासन के पश्चात मृतक महिला के परिजन शव को ले जाने के लिए राजी हो गए।

आज शुष्क दिवस घोषित

रायसेन,देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा सम्पूर्ण जिले में मतगणना दिवस 03 दिसम्बर 2023 को सम्पूर्ण दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जारी आदेश के तहत दिनांक 03 दिसम्बर को सम्पूर्ण दिवस की अवधि में जिले में संचालित समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों से मदिरा का विक्रय पूर्णत: प्रतिबंधित रखने के साथ ही होटल, आहार गृह, मधुशाला अथवा किसी अन्य सार्वजनिक तथा निजी स्थान में कोई भी स्पिरिट युक्त, किण्वित या मादक लिकर या वैसी प्रकृति का अन्य पदार्थ ना विक्रय किया जाएगा, ना दिया जाएगा और ना वितरित किया जाएगा। इसी प्रकार गैर मालिकाना क्लब, होटल, रेस्टोरेंट आदि तथा ऐसे होटल जिनके पास विभिन्न श्रेणी के मदिरा प्राप्त करने तथा प्रदाय करने के लायसेंस उपलब्ध हैं। इन्हें भी शुष्क दिवस के आदेशानुसार शराब बिक्री और सेवा की अनुमति नहीं होगी।

लोक अदालत 9 दिसम्बर को

रायसेन, देशबन्धु। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला मुख्यालय रायसेन सहित तहसील न्यायालयों में 09 दिसम्बर 2023 को किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत में एनआई एक्ट धारा 138, बैंक रिकवरी प्रकरण, विद्युत, टेलीफोन, जल कर एवं सम्पत्ति कर के प्रकरण आदि प्रिलिटिगेशन प्रकरण एवं न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरण आपराधिक शमनीय प्रकरण, धारा 138 परक्राम्य लिखित अधिनियम, क्लेम प्रकरण, विद्युत और जलकर, सम्पत्ति कर के प्रकरण, हिन्दू विवाह अधिनियम के अंतर्गत राजीनामा योग्य प्रकरण, भूमि अधिग्रहण सर्विस मेटर से सम्बंधित व अन्य सिविल प्रकरण आदि रखे जाएंगे।

न्यायालय परिसर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

भेरून्दा, देशबन्धु। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सतीश चंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में आज न्यायालय परिसर भेरुन्दा के सभाकक्ष में अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति भेरुन्दा रवीन्द्र कुमार शर्मा की उपस्थिति में मध्यस्थता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें न्यायाधीश श्रीमती सुनीता गोयल, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष बलराम यादव द्वारा सहभागिता की गई।

कार्यकम में उन्होंने कहा कि मध्यस्थता प्रकिया न्यायालयों में राजीनामा योग्य प्रकरणों के निराकरण के लिए बहुत ही सरल और निष्पक्ष आधुनिक प्रकिया है। जिसमें मध्यस्थ अधिकारी दबाव रहित वातावरण में दोनों पक्षों के विवादों का निपटारा करते है। मध्यस्थता प्रकिया के माध्यम से प्रकरण का त्वरित निराकरण हो जाता है और समय व खर्चे से बचत हो जाती है और हमे न्यायालयीन प्रकिया से राहत मिल जाती है और आपसी संबंध भी मधुर बने रहते है।

मध्यस्थता के माध्यम से विवाद निपटने पर, वादी न्याय शुल्क एक्ट 1870 की धारा 16 के तहत पूरा न्यायालय शुल्क वापस पाने का हकदार होता है।

कार्यक्रम में उन्होंने 9 दिसम्बर को आयोजित होने वाली आगामी नेशनल लोक अदालत के बारे में बताया कि पक्षकार अपने न्यायालयों में लंबित आपराधिक, सिविल, चेक बाउन्स, बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना, विद्युत चोरी, वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण एवं अन्य सभी प्रकार के प्रकरणों एवं प्रिलीटिगेशन के अंतर्गत विद्युत, नगर परिषद व बैंकों से संबंधित प्रकरणों में राजीनामा कराएं और लोक अदालत में दी जा रही छूट का लाभ प्राप्त करें।

जब तक मनुष्य रामकथा नहीं सुनता तब तक मोह नहीं भागता : वैष्णवी

दमोह देशबन्धु। मागंज वार्ड नं 5 दमोह में कथावाचक किशोरी वैष्णवी गर्ग ने कहा कि जीवन के हर संशय का समाधान श्रीराम कथा करती है। रामचरित मानस में नौ दिन में नौ प्रश्न हैं। निर्गुण ब्रह्म सगुण कैसे हो गया, राम जन्म का कारण क्या है। प्रभु के बाल्यकाल की लीला, विवाह लीला, वनगमन लीला और राक्षसों के मारने का प्रयोजन। अयोध्या में रामराज्य अभिषेक और संतों का चरित्र।

इन्हीं प्रश्नों के उत्तर नौ दिन में दिए जाते हैं। किशोरी जी ने कहा कि भक्त के हृदय में भगवान आए तो आंसू आए बिना रह नहीं सकते। भगवान का स्मरण करते रहिए। हमारे हृदय में विकारों का जो खारा जल भरा है, बाहर निकलना चाहिए। मुख्य श्रोता एवं वार्ड वासी, अभिषेक तिवारी,मनीष अवस्थी,अमर सिंह राजपूत, बृजराज तिवारी, विनोद साहू,मदन

सिंह राजपूत जी,मनोज प्यासी ने सभी से कथा श्रवण करने का अनुरोध किया है।

स्वर्गीय ताम्रकार की पुण्यतिथि पर जरूरतमंदो को किए फल, कंबल वितरित

दमोह, देशबन्धु। नगर में हमेशा समाज सेवा में तत्पर रहने वाले नगर के वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय राजेंद्र ताम्रकार (सतीश बाबा) के पुण्यतिथि पर बेलाताल टापू साईं बाबा मंदिर में परिवार जनों व मंदिर समिति के द्वारा हर वर्ष जरूरतमंद को फल और कम्बल वितरित किए जाते है।

इस अवसर पर साईं मंदिर के पुजारी कमलेशानंद महाराज ने बताया कि सतीश भैया हर समय धार्मिक कार्यक्रमों में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाया करते थे। वह हम सभी को हमेशा याद आते है। इसी क्रम प्रतिवर्ष अनुसार इस कड़ाके की ठंड में दीन दुखियों जरूरत मन्दो को साईं मंदिर परिसर में पुण्यतिथि पर ताम्रकार परिवार जनों के साथ मंदिर कमेटी के पं बिहारी लाल गौतम, पं.सुदामा दुबे, कपिल दुवे, नन्नू ताम्रकार, डब्बू ताम्रकार, राहुल ताम्रकार, यश ताम्रकार सहित अन्य लोगों ने अपनी सहभागिता निभाई।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

गुरूजी राजेन्द्र धोटे हुए सेवानिवृत्त, हुआ ऐतिहासिक विदाई समारोह

बैतूल, देशबन्धु। ग्राम सोनोरा के माध्यमिक शाला में प्रधान पाठक और गुरूजी के रूप में प्रसिद्ध श्री राजेन्द्र धोटे(रामराव) 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त के अवसर पर 30 नवंबर को स्कूल परिसर में ऐतिहासिक विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया। बताया जा रहा है कि राजेनद्र धोटे की नियुक्ति प्रथम नियुक्ति इसी स्कूल में हुई थी, तब से लगातार अपनी सेवाएं स्कूल में प्रदान कर रहे थे। सेवानिवृत्त होने के अवसर पर ग्रामीणों का कहना है कि गुरूजी की वजह से ही स्कूल के साथ ही बच्चों का भी विकास हुआ है। इस तरह के शिक्षक यदि स्कूलों में हो तो निश्चित ही छात्रों के साथ-साथ शाला का भी विकास होगा। इस अवसर पर भोजराज देशमुख, सहित आसपास के स्कूलों के शिक्षक के साथ सुभाष धोटे, पंजाब धोटे, युवराज देशमुख, पातिदास धोटे, संदीप धोटे, गुलाब बारस्कर, सम्पतराव धोटे, प्रयागराव डाग सहित सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान गुरूजी को लोगों ने रथ में बैठाकर घर तक पहुंचाया।

जनपद पंचायत कार्यालय के बाहर अतिक्रमण का बढ़ रहा दायरा

पलेरा, देशबन्धु। लंबे समय से स्थानीय जनपद पंचायत कार्यालय के बाहर अवैध रूप से कब्जा कर रखी गई गुमटियां कार्यालय के कर्मचारियों के लिए परेशानी का सबब बन रहीं है। देर रात तक इन दुकानों के बाहर सामाजिक तत्वों का जमावड़ा एवं शोरगुल को लेकर जनपद कार्यालय के पास बने हुए आवासों में रह रहे कर्मचारी परेशान बने हुए हैं। बताया गया है कि अवैध रूप से रखी गई इन दुकानों के सामने मोटर गाड़ियां खड़े किए जाने के चलते दिन भर जनपद कार्यालय पहुंचने वाले कर्मचारी एवं आमजन रोजाना परेशान होते हैं। जनपद कार्यालय के कर्मचारियों की शिकायत पर सीईओ सिद्ध गोपाल वर्मा ने इस पूरे मामले में नगर की कार्य पालक मजिस्ट्रेट डॉक्टर अवंतिका तिवारी समेत नगर परिषद सीएमओ को पत्र जारी करते हुए तत्काल प्रभाव से अतिक्रमण हटाए जाने की मांग की है। जनपद कार्यालय से जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि लंबे समय से अबैध रूप से कब्जा करते हुए रखी गई इन गुमटियों को हटाया जाकर जनपद कार्यालय परिसर को अतिक्रमण से मुक्त किया जाए। अतिक्रमण के संबंध में जनपद पंचायत कार्यालय से जारी किए गए पत्र की प्रतिलिपि सीईओ सिद्धगोपाल वर्मा ने जतारा एसडीएम को भी भेज दी है।

चुनावी परिणाम आज हार जीत के अंतर को लेकर हो रही चर्चा

कांग्रेस को 7 प्रतिशत और भाजपा को 9 प्रतिशत मतों की वृद्धि की उम्मीद

सारनी, देशबन्धु। बैतूल जिले में पांच विधानसभा है लेकिन वर्ष 2018 में आमला विधानसभा के अलावा बैतूल जिले में कोई भी विधानसभा भारतीय जनता पार्टी नहीं जीत पाई थी। इस बार वर्ष 2018 की विपरीत बैतूल जिले में परिणाम आने की संभावना व्यक्ति की जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी की चार सीट और कांग्रेस की एक सीट होगी लेकिन इन सभी विधानसभा में संपूर्ण प्रदेश की नजर आमला विधानसभा में टिकी हुई है,क्योंकि आमला विधानसभा में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशअध्यक्ष कमलनाथ और मध्यप्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे के करीबी कहे जाने वाले मनोज मालवे को दूसरी बार आमला विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी बनाया है। जबकि भारतीय जनता पार्टी की तरफ से डॉक्टर योगेश पडाग्रे को प्रत्याशी बनाया गया है और भारतीय जनता पार्टी के लोग ने बवंडर उत्पादन करके डॉक्टर की हार जीत का आंकड़ा केवल तीन से पाच हजार के आसपास बता रहे हैं। जबकि वर्ष 1977 में आमला विधानसभा अस्तित्व में आया और वर्ष 2008 में परिसीमन में आमला विधानसभा में सारनी को जोड़ने का कार्य किया गया वर्ष 2008 से लेकर वर्ष 2023 के चुनाव के आंकड़े को देखा जाए तो हर 5 वर्ष में 7 प्रतिशत की वृद्धि कांग्रेस को मतदान के समय हुई है।जबकि भारतीय जनता पार्टी हमेशा बढ़त पर

रही है वर्ष 2008 में चेतराम मानेकर के खिलाफ वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे चुनाव लड़े थे तब 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, उसके बाद वर्ष 2013 में चेतराम मानेकर के खिलाफ सुनीता बेले चुनाव लड़ी थी उस समय भी कांग्रेस को 7 प्रतिशत के ओटो की वृद्धि हुई उसके बाद वर्ष 2018 में डॉक्टर योगेश पंडाग्रे के खिलाफ मनोज मालवे चुनाव लड़े तब भी कांग्रेस को 7 प्रतिशत की वोट वृद्धि हुई और भाजपा को 9.09 प्रतिशत के वोटो का नुकसान उठाना पड़ा था। यदि इस बार अंकगणितों को देखा जाए तो कांग्रेस को 7 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो वर्ष 2018 में मनोज मालवे को विधानसभा चुनाव में 54 हजार 284 मत मिले थे 7 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो कांग्रेस का मत प्रतिशत 34 प्रतिशत से बढ़कर 41प्रतिशत पर होगा और 41प्रतिशत यदि मत प्रतिशत होता है तो कांग्रेस के उम्मीदवार को 67 हजार 194 मत मिलने की संभावना बनी हुई है। जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉक्टर योगेश पंडाग्रे वर्ष 2018 में 9 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा था यदि यह 9 प्रतिशत मत बढ़ता है तो 90 हजार 139 मत प्राप्त कर सकते हैं।जबकि आमला विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 15 हजार 601 मतदाता है।जिसमें महिलाओं मतदाताओं में एक लाख 6 हजार 321 और पुरुष मतदाता एक लाख 9 हजार 278 है। इस वर्ष 2023 में 17 नवंबर को जो विधानसभा चुनाव हुए हैं उसे चुनाव में आमला विधानसभा क्षेत्र में एक लाख 68 हजार 379 मत गिरे हैं और इस मत के आधार पर महिलाओं का मत प्रतिशत आमला विधानसभा में 87.81प्रतिशत था जिस पर 82 हजार 593 मत महिला के और 85 हजार 395 मत पुरुष के गिरे हुए हैं इस तरह कांग्रेस और बीजेपी के बीच में एक लाख 57 हजि 333 मतों का विभाजन होगा जो अंकगणित बताता है इसके अलावा अन्य सात मे से पांच उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे उन्हें 11056 वोट मिलने की संभावना व्यक्ति की जा रही है।इस तरह वर्ष 2018 और वर्ष 2023 के चुनावी गणित में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉक्टर योगेश पडाग्रे की 22 हजार 945 मतों से विजय होने का अंकगणित दिखाई दे रहा है। हालात रविवार को 10 बजे तक चुनाव के परिणाम आना शुरू हो जाएंगे जिसमें कौन आगे और कौन पीछे है यह स्पष्ट हो जाएगा। लेकिन इस बात बैतूल जिले से विधानसभा चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले और आश्चर्यजनक होंगे।

आदिवासी समाज में भारतीय जनता पार्टी को नकारा

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं केंद्र के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माध्यम से आदिवासी समाज के उत्थान के लिए नित्य नई योजनाओं का संचार कर रहे हैं लेकिन यह सभी योजनाओं का गला आदिवासी गांव में घुटता दिखाई दे रहा है यही वजह है कि इस विधानसभा चुनाव में आमला विधानसभा क्षेत्र में आदिवासी समाज के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ वोटिंग करने का कार्य किया गया है। यदि वर्ष 2018 का आकलन किया जाए तो लगभग 30 से अधिक गांव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को मात्र 15 से 20 प्रतिशत का ही मत मिलाना आंका जा रहा है जबकि कांग्रेस के प्रत्याशी इस बार चुनावी रण में आदिवासी समाज को भेदने में सफल रहे भारतीय जनता पार्टी के आमला विधानसभा क्षेत्र में पांचो मंडल अध्यक्षों के माध्यम से बेहतर प्रदर्शन भी ना करना भारतीय जनता पार्टी के लिए परेशानी का कारण माना जा सकता है।

कोगता फाइनेंस कंपनी के मैनेजर के खिलाफ गबन का आरोप

आवेदक ने एसपी से की शिकायत, वाहन खरीदी बिक्री संगठन अध्यक्ष ने भी जताई आपत्ति

बैतूल, देशबन्धु। कोगता फाइनेंस कंपनी के मैनेजर के खिलाफ फाइनेंस की राशि गबन करने का मामले सामने आया है। इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक से की गई है। शिकायतकर्ता मो.युसूफ पिता मो.सादिक निवासी देवगांव ने अनावेदक मनोज घोडकी निवासी बडोरा, भूपेन्द्र मगरदे निवासी बैतूल के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। दरअसल, मामला यह है कि आवेदक ने कोगता फाइनेंस कंपनी से ट्रक फाइनेंस करवाया था।

कोगता फायनेंस का उस वक्त मनोज घोडकी शाखा प्रबंधक था। उसके द्वारा कोगता फायनेंस से 4 लाख 30 हजार रू फायनेंस करवाया था, अनावेदक मनोज घोडकी ने आवेदक से 5 कोरे चैक बंधन बैंक बैतूल के हस्ताक्षरित लिये एवं अन्य कागजों पर हस्ताक्षर करवाए। अनावेदक मनोज घोडकी द्वारा आवेदक को बताया कि आपकी 80 प्रतिशत राशि 3 लाख 44 हजार डी.एस.ए. भूपेन्द्र मगरदे के खाते में कंम्पनी द्वारा आ गई है। प्रकिया पूरी होने पर आपके खाते में डाल देंगे। आवेदक ने बताया कि आज तक फाइनेंस की राशि उन्हें प्रदान नहीं की गई है। किश्तें आ रही, उसका भुगतान आवेदक मनोज घोडकी द्वारा किया जा रहा।

आवेदक का कहना है कि उनके नाम पर फाइनेंस करवा कर अनावेदक राशि का उपयोग कर रहे हैं।अनावेदकगणों ने किस प्रकार का लोन उनके नाम से लिया है यह भी स्थिति स्पष्ट नही हो रही है। उन्हें आशंका है कि दोनों व्यक्ति गारंटी बतौर कोरे चैको का भी दुरूपयोग कर सकते है। वाहन खरीदी बिक्री संगठन अध्यक्ष गोलू सोनी के संज्ञान में यह मामला आने के बाद उन्होंने फाइनेंस कंपनी के खिलाफ कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि जब तक मामले का निराकरण नहीं होता फाइनेंस कंपनी से किसी भी प्रकार का लेनदेन न किया जाए ना ही कंपनी से वाहन फाइनेंस किया जाए।

आवेदक ने कलेक्टर से की शिकायत, गंज मंडी कांप्लेक्स का मामला

राजस्व निरीक्षक ने नहीं किया आपत्ति का निराकरण

बैतूल, देशबन्धु। गंज मंडी कांप्लेक्स में दुकान आवंटन के मामले में अपात्र को लाभान्वित करने का मामला सामने आया है। इस मामले में जब आवेदक ने आपत्ति लगाई तो राजस्व निरीक्षक द्वारा महीनों बाद भी आपत्ति का निराकरण नहीं किया गया। आवेदक सोहनलाल राठौर ने कलेक्टर से शिकायत कर मामले का निराकरण करने की मांग की है। आवेदक सोहनलाल ने बताया कि पुन: स्मरण करवाने के बावजूद नगर पालिका ने आज तक कोई जवाब नहीं दिया है। मामला वर्ष 2017 का है, उन्होंने इस मामले में अधिवक्ता के माध्यम से नगर पालिका को सूचना प्रेषित की थी, इसके बावजूद नगर पालिका ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया।

सोहनलाल ने बताया कि शिवकिशोर जौहरीलाल भोले को पात्र घोषित कर नगर पालिका कार्यवाही कर रही है जबकि वास्तविक पात्र आवेदक के आवेदन पत्र पर किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। इस तरह अपात्र को पात्र बताकर लाभान्वित किया जा रहा है। नगर पालिका बैतूल ने अपनी अधिसूचना अनुसार अपात्र किशोर जौहरीलाल भोले को सं. क्र. 44 में पात्र की श्रेणी में 21 नंबर पर रखा है और सुनीता/सोहनलाल राठौर के आवेदन पत्र आपत्ति पर कुछ भी विचार नहीं किया। इस प्रकार अपात्र को बार-बार पात्र बताकर नगर पालिका कार्यवाही कर रही तो फिर पात्र हितग्राही को सी.एम. हेल्पलाईन में आवेदन करना पड़ा। हितग्राही की शिकायत बिना निराकरण के बंद कर दी गई। आवेदक सोहनलाल का आरोप है कि अनावेदक शिवकिशोर भोले ने आवेदन पत्र के साथ दुकान की मूल फोटोग्राफ नगर पालिका कार्यालय में सलग्न की है वे असत्य है। शिवकिशोर ने जिस दुकान पर अपने आपको बैठा दिखाया है वह दुकान आवेदक सुनीता सोहनलाल राठौर की है। इस मामले में आवेदक सोहनलाल ने निष्पक्ष जांच कर न्याय की गुहार लगाई है।

फिल्म `जंगल सत्याग्रह' के लिए पूर्व मंत्री पांसे की आवाज में हुई डबिंग

बैतूल, देशबन्धु। प्रदेश के पूर्व मंत्री और मुलताई विधायक सुखदेव पांसे ने गोंडवाना प्रोडक्शन प्रोडक्शन लिमिटेड द्वारा बनाई जा रही फिल्म जंगल सत्याग्रह में अपने अभिनय की वॉइस डबिंग को आज यहां शोभापुर सारणी के ओम म्यूजिक जोन स्टूडियो पूरी हुई। मुंबई से आए क्रिऐटिव डायरेक्टर रोहित घोक्षे, प्रवीण डी, डबिंग इंजीनियर प्रवीण पगारे लेखक निर्देशक प्रदीप उइके की उपस्थिति में यह काम किया गया।

पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे ने बताया कि फिल्म बीते 2 साल से बन रही है जिसमें मुझे अभिनय करने का मौका मिला।, जल जंगल जमीन के लिए हुए जंगल सत्याग्रह में सरदार विष्णुसिंग गोंड, सरदार गंजनसिंग कोरकू सहित अनेक क्रांतिकारियों ने अपनी आहुति देकर देश की आजादी में अपनी

अहम भूमिका निभाई। गांधीजी के नमक सत्याग्रह आंदोलन के समतुल्य जंगल सत्याग्रह की नीव बैतूल से रखी गई और उसका रूप सम्पूर्ण भारत में दिखा, देश की आजादी में आदिवासियों का बहुत बड़ा योगदान रहा।

फिल्म की डबिंग के दौरान जिला पंचायत सदस्य श्यामू परते, ओम म्यूजिक जोन के संचालक ओम प्रधान, युवा नेता भूषण कांति, फिल्म कलाकार शिवा बारस्कर, सौरभ उइके, लक्ष्मण उइके, राहुल प्रधान, दीपक धुर्वे, अर्जुन धोटे, प्रवीण धुर्वे, प्रहलाद परते, चन्दन धुर्वे, नीलेश सिरसाम, रमन धुर्वे, सतीश मर्सकोले, प्रदीप धुर्वे, पंकज भट्टाचार्य, निर्मल उइके, शिवम् इरपाचे एवं समस्त कलाकार उपस्थित थे।

पांसे ने स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका अदा की

- श्री उइके ने बताया कि पूर्व मंत्री पांसे ने प्रभात पट्टन के स्वन्त्रता सेनानी बिहारीलाल पटेल की भूमिका को अदा किया है, जिसकी आवाज डबिंग आज करते ही फिल्म की शत प्रतिशत डबिंग संपन्न हो चुकी है। इसके बाद निरंतर कार्य प्रगति पर है जिसमें 3डी एनिमेशन, ऐसेफेक्स, वियेफेक्स, बेकग्राउंड म्यूजिक, कलर ग्रेडिंग, मिक्सिंग, सेंसर का कार्य किया जाएगा।

मतगणना की तैयारियां पूरी, आज सुबह 8 बजे से होगी गिनती

हरदा , देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन-2023 में जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों हरदा व टिमरनी की मतगणना जिला मुख्यालय पर 3 दिसम्बर को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रारंभ होगी। कलेक्टर ऋषि गर्ग ने बताया कि मतगणना जिला मुख्यालय पर सुबह 8 बजे सबसे पहले पोस्टल बैलेट की मतगणना शुरू होगी। पोस्टल बैलेट की मतगणना के आधे घण्टें पश्चात् प्रात: 8:30 बजे ईव्हीएम से मतगणना प्रारंभ होगी। मतगणना की सभी तैयारियां की जा चुकी हैं। मतगणना का दिन शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषि गर्ग ने बताया कि मतगणना स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। केवल अधिकृत पास-धारक व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे। मतगणना सेंटर पर हरदा व टिमरनी विधानसभा के लिए पृथक-पृथक मतगणना हॉल बनाए गये है, जहां आयोग के निर्देशानुसार टेबलों की व्यवस्था पोस्टल बैलेट एवं ईव्हीएम की मतगणना के लिए की गई है।

कलेक्टर श्री गर्ग ने बताया कि मीडियाकर्मियों के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज में बनाये गये मतगणना केन्द्र पर एलआरयूसी कक्ष में मीडिया सेन्टर बनाया गया है, जहां पर कम्प्यूटर, प्रिन्टर एवं इंटरनेट आदि की सुविधा उपलब्ध रहेगी। उन्होने बताया कि ईव्हीएम की मतगणना टेबल पर एक काउंटिंग सुपरवाईजर एक काउंटिंग असिस्टेंट एवं एक काउंटिंग स्टॉफ तथा एक माइक्रो आर्ब्जवर रहेगा। इसी प्रकार पोस्टल बैलेट की गणना टेबल पर एक सहायक रिटर्निंग अधिकारी, एक काउंटिंग सुपरवाईजर, दो काउंटिंग असिस्टेंट तथा एक माइक्रो आर्ब्जवर रहेगा। माइक्रो आर्ब्जवर केन्द्र सरकार के विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी होंगे।

कलेक्टर श्री गर्ग ने बताया कि स्ट्रॉग रूम से मतगणना हॉल तक मशीनें पहुंचने के लिए विधानसभा क्षेत्र वार पृथक-पृथक रास्ता निर्धारित किया गया है, जिसका सीसीटीवी कवरेज होगा। इलेक्शन आर्ब्जवर के अतिरिक्त किसी को भी मतगणना हॉल में मोबाईल ले जाने की अनुमति नहीं है। केवल रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी और काउंटिंग सुपरवाईजर जो ईटीपीबी से जुड़े हैं, वह केवल ईटीपीबीएमएस सिस्टम ओपन करने के लिए ओटीपी हेतु मोबाईल ले जा सकेंगे तथा इसके पश्चात मोबाईल बंद कर प्रेक्षक, रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी के पास जमा कराएंगे।

विधानसभा के पोस्टल बैलेट की मतणना समाप्त होते ही अभ्यर्थीवार डाक मतपत्रों के परिणाम की घोषणा की जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राउंड पूरा होने पर नियमानुसार उस राउंड के परिणाम की घोषणा की जायेगी तथा दूसरे राउंड की गिनती प्रारंभ होगी। कलेक्टर श्री गर्ग ने बताया कि मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाईट https://results.eci.gov.in तथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की वेबसाईट ceomadhyapradesh.nic.in पर भी प्रदर्शित होंगे। इसके साथ आमजनों की सुविधा के लिए वोटर हेल्पलाईन एप पर भी मतगणना के परिणाम उपलब्ध रहेंगे, इस हेतु इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा।

अस्पताल से अराजकता और आपसी झगड़े का माहौल

नौगाँव, देशबन्धु। नगर के टीबी अस्पताल के पास बना चौहान अस्पताल काफी समय से अराजकता फैला रहा है चाचा भतीजे के बीच जो कमटीशन चल रहा उससे अस्पताल क्षेत्र सहित बस स्टैंड का भी माहौल बिगड़ रहा है दोनों डॉक्टरों के बीच मची खींचतान ने अपने अपने लोगो को अस्पताल से बस स्टैंड तक फैला रखा है जो टीबी के मरीज बाहर से आते है उन्हें अपने अपने डॉक्टर के पास ले जाने हेतु यह टपके मरीज को खींचतान करते है साथ ही आपस मे लड़ कर माहौल खराब करते है इनके बीच भी कमटीशन है जो जितने मरीज पकड़कर अपने 2 अस्पताल पहुचायेगा उसे प्रति मरीज के हिसाब से मोटी कमीशन मिलती है इसलिए यह आपस लड़ जाते है साथ ही मरीजो को भी परेशान करते है इसकी कई शिकायत पुलिस से भी हुई है और पुलिस इन्हें पकड़कर थाने भी ले गयी मगर यह वहां से छूटकर फिर अपने काम पर लग जाते है वही अस्पताल के सामने दोनों तरफ इतने वाहन खड़े हो जाते है कि जाम की स्थिति बन जाती है वही इनके झगड़े सड़क पर होने से बसों को भी निकल पाना मुश्किल हो जाता है।

शनिवार दोपहर एक मरीज को अपने 2 डॉक्टरों के पास ले जाने हेतु आपस मे झगड़ा करने लगे और दोनों में काफी देर तक मारपीट होती रही जिसे नजदीक के दुकानदारों ने शांत कराया इसके बाद इन्हें कोई फर्क नही पड़ा और यह फिर अपने काम मे लग गए मगर इनके इस कारनामे से नगर और बस स्टैंड का माहौल खराब होता है जिस पर ध्यान देना जरूरी है।

मतगणना हेतु नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अंतिम प्रशिक्षण आयोजित

टीकमगढ़, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु मतगणना में नियुक्त गणना सुपरवाइजर, गणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर का अंतिम प्रशिक्षण शनिवार को आयोजित किया गया। प्रषिक्षण के दौरान मतगणना के प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु विधानसभा क्षेत्र-44 जतारा के लिये नियुक्त सामान्य प्रेक्षक रायनिहतिलांग रापथाप ने मतगणना हेतु आयोजित प्रशिक्षण का निरीक्षण कर जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मतदान करवाना एक महत्वपूर्ण कार्य है, उसी प्रकार मतगणना का कार्य भी महत्वपूर्ण है, जिसमें अत्यधिक सावधानी की आवश्यकता है। जिसमे पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त करें, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटी की संभावना नही रहे। सभी अपने कार्यो को अच्छी तरह समझ ले एवं अपने कार्य से सम्बंधित किसी भी प्रकार का संदेह ना रखे। इस अवसर पर संबंधित रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रेक्षकों ने मतगणना की तैयारियों का जायजा लिया

हरदा, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के लिए मतगणना रविवार 3 दिसंबर को सुबह 8 बजे से पॉलिटेक्निक कॉलेज में होगी । जिले के हरदा और टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक नरिंदर सिंह बाली और हनीश छाबड़ा ने शनिवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में पहुंचकर वहां मतगणना के लिए की जा रही तैयारी का जायजा लिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गोड़ा तथा रिटर्निंग अधिकारी आशीष खरे और महेश बडोले सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

सार समाचार

विवाहिता की जहरीला पदार्थ खाने से मौत

बनखेड़ी, देशबन्धु। बनखेड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम मछेरा कलां में विगत दिवस एक 27 वर्षीय विवाहिता की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 27 नवंबर रात की रात विवाहिता ने जहर खाया था, जिसकी जानकारी परिजनों को लगते ही वह, उसे तुरंत बनखेडी स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, लेकिन विवाहिता के शरीर में अधिक जहर फैल जाने के कारण उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जिसके बाद बनखेड़ी पुलिस ने उदयराम उईके की सूचना पर मृतिका धनवती बाई पति जयदीप उईके की मौत पर मर्ग की कायम की। बताया गया कि मृतका का बनखेड़ी पुलिस ने बताया कि उक्त मामला विवाह को अभी 6 वर्ष हुए हैं, इस कारण उक्त मामले की जांच एसडीओपी द्वारा की जाएगी। इसके लिए बनखेड़ी थाने से प्रकरण की फाइल पिपरिया एसडीओपी कार्यालय के लिए भेज दी गई है।

आज इटारसी आएगी समस्तीपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य सिंगल ट्रिप स्पेशल ट्रेन

इटारसी, देशबन्धु। पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात क्लियर करने के उद्देश्य से गाड़ी संख्या 05599 समस्तीपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य सिंगल ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर हाल्ट लेकर गन्तव्य को जाएगी। 05599 समस्तीपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेन आज शनिवार 2 दिसंबर को समस्तीपुर स्टेशन से 12.00 बजे प्रारंभ होकर, अगले दिन 06.30 बजे इटारसी पहुंचकर, 06.40 बजे इटारसी प्रस्थान कर, 19.00 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी। इस गाड़ी में 17 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआर सहित कुल 19 कोच हैं।

गाड़ी के ठहराव:-यह ट्रेन मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा जंक्शन, बक्सर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी, खंडवा, भुसावल, मनमाड़, नासिक रोड, इगतपुरी एवं कल्याण स्टेशनों पर रुकेगी।

2 घरों के टूटे ताले, अज्ञात ने जेवर, मोबाइल और नगदी चुराए

इटारसी, देशबन्धु। नगर में दो अलग-अलग स्थानों पर दो घरों के ताले टूटे हैं। अज्ञात चोर जेवर और नगदी सहित मोबाइल भी चुरा ले गये हैं। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुदामा नगर पीपल मोहल्ला में 1 और 2 दिसंबर की रात इस्माइल खान पिता इसराइल खान 32 वर्ष के घर का ताला तोड़कर अज्ञात ने अलमारी में रखा मोबाइल और नगदी 1500 रुपए सहित 21,500 रुपए का माल उड़ाया। इसी तरह से पलकमति नगर जमानी रोड पर स्थित एलआईजी 09 निवासी अशोक कुमार पिता त्रियम्बक राव इंगले 47 वर्ष ने शिकायत दर्ज करायी है कि अज्ञात ने उसके मुख्य द्वार का ताला तोड़कर अलमारी में रखे पुराने इस्तेमाल के सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए हैं। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर लिया है।

यात्रा करने से पूर्व जांच लें, ये ट्रेनें रहेंगी निरस्त

इटारसी, देशबन्धु। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मण्डल में राजनादगांव-कालमना स्टेशन के मध्य रेल लाइन तिहरीकरण कार्य के सम्बंध में कन्हान स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की अवधि में इस मार्ग से होकर गुजरने वाली कुछ गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। 20843 बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस 04, 05, 11 एवं 12 दिसंबर 2023 को तथा 20844 भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस 07, 09, 14 एवं 16 दिसंबर 2023 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। 20845 बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस 07 एवं 09 दिसंबर 2023 को तथा 20846 बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस 10 एवं 12 दिसंबर 2023 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। 20823 पुरी-अजमेर एक्सप्रेस 04, 07 एवं 11 दिसंबर 2023 को तथा गाड़ी संख्या 20824 अजमेर-पुरी एक्सप्रेस 07, 12 एवं 14 दिसंबर को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा ह्ळ्ञ्श्वस/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके यात्रा प्रारंभ करें।

भाजपा-कांग्रेस दोनों को बहुमत की उम्मीद

मतगणना आज, प्रत्याशियों के साथ मतदाताओं को भी परिणाम की प्रतीक्षा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव को लेकर हुए मतदान की आज मतगणना होनी है। भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशियों के साथ ही मतदाताओं को भी परिणाम का बेसब्री से इंतजार है। रविवार को मतगणना के परिणाम आने के साथ ही स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि प्रदेश में किसकी सरकार बनेगी और किस विधानसभा से किस दल का विधायक होगा। इससे पहले दोनों ही राजनीतिक दल मतदाताओं पर भरोसा जताते हुए, प्रदेश में बहुमत के साथ सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। बीती शाम आए एग्जिट पोल को लेकर भाजपा व कांग्रेस दोनों ही आश्वस्त हैं। कांग्रेस का दावा है कि एग्जिट पोल में भी हम आगे चल रहे हैं, जबकि भाजपा बहुमत मिलने की बात कह रही है। एक ओर कांग्रेस का दावा है कि पूरा माहौल उनके पक्ष में है। मतदाताओं ने बदलाव के लिए मतदान किया है। एग्जिट पोल भी कांग्रेस की सरकार बनने के पक्ष में है। कांग्रेस की योजनाओं व वायदों के साथ ही योग्य प्रत्याशियों के पक्ष में मतदाताओं ने मतदान किया है। वहीं चारों विधानसभा सीटों से मैदान में उतरे निर्दलीय प्रत्याशी भी मतगणना को लेकर आशान्वित हैं। तो दूसरी ओर भाजपा, सरकार की योजनाओं व कार्यकर्ताओं की मेहनत के भरोसे जीत का दंभ भर रही है। भाजपा का कहना है कि प्रदेश में महिला मतदाताओं के मतदान का प्रतिशत बढ़ने का एक मात्र कारण सरकार की लाड़ली बहना योजना है। महिला मतदाता ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में कारगर साबित होंगी। प्रदेश में बहुमत की सरकार बनाने के साथ ही भाजपा जिले की चारों सीटों में फिर से परचम लहराने जा रही है।

चर्चाओं का बाजार गर्म, सभी कर रहे आंकलन

चुनाव परिणाम को लेकर शहर के साथ ही ग्रामीण अंचलों में जन चर्चाओं ने राजनीतिक माहौल गर्म कर रखा है। चौराहों, चाय की दुकानों व सार्वजनिक स्थल पर बैठकर लोग किसकी सरकार बनेगी, विधायक कौन होगा, किसके पक्ष में कितनी सीटें आएंगी इसे लेकर ही चर्चा करते सुनाई दे रहे हैं। राजनीति दल भी अपने स्तर पर आंकलन करने में लगे हैं। दोनो ही राजनीति दल अपने-अपने पक्ष में ज्यादा मतदान की बात करते नजर आ रहे हैं। परिणाम क्या होंगे यह तो आज शाम तक ही स्पष्ट हो पाएगा।

प्रशासन ने मतगणना को लेकर तैयारियों की पूरी

आज संभागीय आईटीआई कॉलेज नर्मदापुरम में सुबह 8 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। इससे पूर्व शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह के साथ मतगणना स्थल का दौरा कर वहां की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया की फाइनल रिहर्सल की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना कार्य में संलग्न होने वाले अधिकारी कर्मचारियों पूरी निष्पक्षता और गंभीरता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने सिवनीमालवा, होशंगाबाद, पिपरिया और सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के मतगणना कक्षों में जाकर वहां की व्यवस्थाएं देखीं। उन्होने मीडिया सेंटर की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

इनका कहना है

पूरा माहौल कांग्रेस के पक्ष में है और एग्जिट पोल भी कांग्रेस की बहुमत की ओर इशारा कर रहे हैं। हम प्रदेश में 130 से 150 सीटें जीतकर आ रहे हैं। जिले की चारों विधानसभा सीटें भी कांग्रेस अच्छे मतों के साथ जीत रही है।

= **शिवाकांत पांडे,** जिलाध्यक्ष कांग्रेस

जिले की चारों विधानसभा सीटों में भाजपा भारी बहुमत से जीतेगी। प्रदेश में बहुमत के साथ हमारी फिर से सरकार बन रही है।

= **माधवदास अग्रवाल,** जिलाध्यक्ष भाजपा

सीवरेज योजना के लिए खोदी सड़कों की नहीं की मरम्मत, हो रही कीचड़

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अंडरग्राउंड सीवरेज योजना के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं किए जाने से वार्डों में कीचड़ हो रही है। पाइपलाइन बिछाने के लिए सीसी सड़कों को बीच से खोदा गया था। इनका कंपनी ने ढंग से रेस्टोरेशन नहीं किया कुछ जगह तो किया ही नहीं है। जिससे बारिश के बाद कीचड़ हो रही है। वाहन चालक फिसल रहे हैं। वार्ड-27 के निवासी आकाशदीप ने बताया कि काली चौक जुमेराती से राजघाट मार्ग पर सितंबर में खुदाई की गई थी। लेकिन मरम्मत नहीं होने से दिक्कत हो रही है। ऑटो चालक स्कूल के बच्चों के लेने नहीं आ रहे। इसलिए बच्चों को काली मंदिर चौक तक पैदल छोड़कर आना पड़ता है। उन्हें लेने के लिए काली चौक जाना पड़ रहा है। रोड खुदी होने से दो वाहन एक साथ नहीं निकल पा रहे हैं।हर्ष नगर निवासियों ने बताया कि सड़क के बीच से लेकर दोनों ओर मिट्टी फैली है, जो कि बारिश के बाद कीचड़ में बदल गई है। वार्ड-15 हर्ष नगर में कीचड़ के कारण वाहन हो रहे स्लिप हो रहे हैं। वहीं वार्ड-18 शांति नगर में सड़क खुदाई होने के बाद मरम्मत नहीं हुई। जिससे वहां कीचड़ हो रही है। वार्ड के पूर्व पार्षद प्रवीण यादव ने कीचड़ में बैठकर सीएमओ नगरपालिका नर्मदापुरम के नाम आवेदन लिख कर समस्या का निराकरण मांगा है। उन्होंने आवेदन में लिखा कि विषयान्तर्गत लेख है जि वार्ड क्रं 18 शांति नगर मे सीवरेज लाइन डालने का जो काम कम्पनी द्वारा किया जा रहा है, वह लापरवाही पूर्वक किया जा रहा है। आवेदन में बताया कि दीवाली से पूर्व वार्ड को खोद कर छोड दिया गया है, जिसमें बेमौसम हुई बारिश से सम्पूर्ण वार्ड में कीचड़ मची हुई है। जिससे लोग कीचड़ में फसकर गिर रहे हैं।

फिर शुरु हो गया रेत माफियाओं का खूनी खेल, कंपनी कर्मचारी पर कातिलाना हमला

इटारसी, देशबन्धु। जिले की नदियों से रेत खदानों पर वर्चस्व का खूनी खेल फिर शुरु हो गया है और जिला प्रशासन रेत माफियाओं पर नकेल कसने की जगह फिलहाल चुनावों में व्यस्त है। रेत माफियाओं ने फिर ठेका कंपनी के एक कर्मचारी पर कातिलाना हमला किया है। पिछली ठेका कंपनी भी रेत माफियाओं की गुंडागर्दी के कारण काम छोड़कर चली गयी थी। जिले में रेत माफियाओं के हौंसले इतने बुलंद हैं कि खून खराबा करना उनके लिए आसान काम है। वे भय दिखाकर कंपनियों को भगाकर अपना वर्चस्व बनाए रखना चाहते हैं ताकि रेत के खेल में करोड़ों कमाया जा सके।

जिले में रेत ठेका लेने वाली कंपनी सिल्वर मिस्ट प्राइवेट लिमिटेड ने जवाली रेत खदान से 4 नवंबर को काम शुरू किया था, परंतु रेत माफियाओं की गुंडागर्दी के कारण काम बंद कर दिया। कुछ दिनों के बाद 18 नवंबर को पुन: काम शुरू किया तब से रेत माफिया कंपनी कर्मचारियों से मारपीट सहित वाहन में तोड़फोड़, रेत परिवहन करने वाले वाहन के ड्राइवरों को धमका रहे हैं। कंपनी ने कलेक्टर, एसपी सहित पुलिस थाना, खनिज विभाग सहित प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत करके सहयोग और सुरक्षा मांगी है, लेकिन 30 नवंबर को रेत कंपनी के कर्मचारी पर जिस तरह से कातिलाना हमला हुआ, उसे देखकर लगता है कि आला अधिकारियों ने शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया।

उल्लेखनीय है कि सिल्वर मिस्ट रिटेल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी निखिल तिवारी निवासी अमेठी उत्तरप्रदेश पर ग्राम निमसाड़िया में कार्यालय निवास पर 30 नवंबर की रात्रि करीब 9 बजे जीतू कीर, राजा कीर, प्रकाश कीर, दीपक कीर ने तलवार, चाकू, लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। कंपनी के अन्य कर्मचारियों ने उसे बचाकर गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। उसका उपचार आईसीयू में चल रहा है। निखिल तिवारी के सिर में करीब 8 टांके आए हैं और हाथ, पैर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोट है।

देहात पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 323, 324,327 506,34 के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है। कंपनी ने 18 नवंबर 2023 को एसपी सहित जिला प्रशासन को आवेदन प्रस्तुत कर घटना का अंदेशा जताया और जानकारीदी थी कि रेत माफिया अवैध रेत खनन करने वाले असामाजिक तत्वों की गुंडागर्दी सहित गुंडा तत्वों के कारण कंपनी के वाहनों को रोका जा रहा है। रेत भर कर ला रहे वाहनों को रोका जा रहा है, परंतु प्रशासन की ओर से कोई सुरक्षा नहीं मिली है। इसके नतीजे में 30 नवंबर की वारदात हुई है।

तवा बांध में बढ़ा आधा फीट पानी, हवाओं ने मौसम में ठंडक बढ़ाई

इटारसी, देशबन्धु।। फिलहाल आसमान पर बादल हैं, लेकिन दोपहर में धूप खिल सकती है। मौसम में ज्यादा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। अभी बारिश का दौर कुछ और चलने वाला है। बीती शाम से चल रही सर्द हवाओं के कारण ठंडक भी बढ़ गयी है। बीते चौबीस घंटे में नर्मदापुरम जिले की सिवनी मालवा और डोलरिया के अलावा शेष सभी तहसीलों में वर्षा दर्ज की गई है। बारिश से तवा बांध में करीब आधा फीट पानी बढ़ गया है।

वर्षा की जानकारी: नर्मदापुरम 2.2 मिमी, सिवनी मालवा 0.0, इटारसी 12.4 मिमी, माखन नगर 9.0 मिमी, सोहागपुर 18.0 मिमी. पिपरिया 29.2 मिमी, बनखेड़ी 21.0 मिमी, पचमढ़ी 15.6, डोलरिया में 0.0 वर्षा हुई। मौसम की जानकारी के अनुसार आज दोपहर 12 बजे के बाद धूप निकलने की संभावना है। हालांकि फिर हल्के बादल छा सकते हैं। तापमान अधिकतम 26 डिग्री और न्यूनतम 18 डिग्री तक रहने के आसार हैं।

तवा बांध में पानी बढ़ा: इन दिनों हो रही बारिश से तवा बांध में करीब आधा फीट पानी बढ़ा है। बता दें कि पचमढ़ी, बैतूल के अलावा तवा बांध के कैचमेंट एरिया में भी बारिश हो रही है। 29 नवंबर को बांध का जलस्तर 1161.60 फीट था जो आज सुबह 1162.10 दर्ज किया गया। 29 नवंबर से आज तक तवा में 138.20 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

आरपीएफ ने पकड़े नियमों का उल्लंघन करने वाले 28 वेंडर

इटारसी, देशबन्धु। रेलवे स्टेशन पर नियमों का उल्लंघन करके मनमानी करने वाले वेंडर्स के खिलाफ रेल सुरक्षा बल अभियान चला रहा है। इसी के अंतर्गत आज ऐसे 28 वेंडर्स पर रेल अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। आरपीएफ पोस्ट इटारसी इंचार्ज एसके बाजपेयी के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नियमों का उल्लंघन करने वाले और अवैध रूप से वेंडिंग करने वालों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत निरंतर कार्रवाई की जा ही है। आज शनिवार को भी नियमों का उल्लंघन करने वाले और मेडीकल कार्ड की वैधता समाप्त होने वाले वेंडरों के विरूद्ध सघन अभियान चलाया जिसमें कुल 28 वेंडरों को पकड़ कर रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

तीरंदाजी चैंपियनशिप की ट्रायल में दिखाए तीरंदाजों ने अपने हुनर

इटारसी, देशबन्धु। सिंगरौली में आयोजित सब जूनियर राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली नर्मदापुरम जिले की आर्चरी टीम की चयन प्रक्रिया वीर सावरकर ग्राउंड में प्रारंभ हुई।

बारिश की बूंद, तेज ठंड एवं ओस की धुंध को चीरते हुए चले आर्चरी खिलाड़ियों के उत्साह में कोई कमी नहीं रही। खिलाड़ियों ने हिम्मत से चयन ट्रायल में भाग लिया। अत्यधिक बारिश होने के कारण नोडल खेल विद्यालय शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरानी इटारसी के प्रांगण में खिलाड़ियों की चइन ट्रायल कराई गई। जिला तीरंदाजी संघ नर्मदापुरम अध्यक्ष अरुण शर्मा ने बताया कि ट्रायल्स में खिलाड़ियों की 20 मीटर डिस्टेंस एवं 30 मी डिस्टेंस की ट्रायल ली गई जिसमें 12 राउंड चलाने के अवसर दिए गए। प्रत्येक राउंड में 2 मिनट के समय के अंदर तीन बाण चलाने का समय खिलाड़ियों को दिया गया।

इसी आधार पर खिलाड़ियों का 20 मीटर और 30 मीटर का ओवरऑल अंकों का निर्धारण कर वरीयता के आधार पर खिलाड़ियों को सिंगरौली में आयोजित सब जूनियर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजा जा रहा है। चयन ट्रायल अश्वनी मालवीय, सृष्टि मालवी, रोहित बारिया, दीनदयाल यादव की उपस्थिति में संपन्न हुई। वरीयता के आधार पर कीर्ति यादव, रिया नरबरे, आशु जैसवाल, दिव्या धुर्वे, मुस्कान कश्यप, प्रेरणा मालवीय, निकिता राजपूत, नंदनी मिर्धा, यशिका ने अपनी जगह बनाई।

तेरह वर्ष बाद इटारसी में 4 से होगा पंचकल्याणक महोत्सव

- छह दिन चलेंगे पंचकल्याणक महोत्सव के कार्यक्रम
- देश के साथ ही विदेश से भी समाज के लोग आएंगे
- समापन दिवस 9 दिसंबर को होगा गजरथ महोत्सव

इटारसी, देशबन्धु। श्री पंचकल्याणक महोत्सव समिति सकल जैन समाज के तत्वावधान में पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन 4 से 9 तक श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर एलकेजी कालोनी इटारसी में होगा। इस दौरान वेदी, मानस्तंभ, प्रतिष्ठा, गजरथ महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य मुनिश्री निर्णय सागर महाराज के सानिध्य में होगा।

आयोजन के विषय में मुनिश्री निर्णय सागर महाराज ने बताया कि इटारसी में 4 से 9 दिसंबर के मध्य जिनालय श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर की वेदी प्रतिष्ठा, जितेन्द्र भगवान की प्राण प्रतिष्ठा, श्री आदिनाथ मंदिर की प्रतिष्ठा होगी। यह धार्मिक कार्य प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप शास्त्री पीयूष भैया एवं सुमित भैया के मार्गदर्शन में होगा। संचालन अधिवक्ता दीपक जैन ने और आभार अधिवक्ता अरविंद गोईल ने किया।

ये होंगे पंचकल्याणक के कार्यक्रम

- 4 दिसंबर, सोमवार को प्रथम दिन घटयात्रा, ध्वजारोहण गर्भकल्याणक अंतर्गत सुबह 7 बजे आचार्य गुरु आज्ञा यंत्र अभिषेक, घटयात्रा, महाराज श्री के आशीष प्रवचन, प्रात: 10 बजे ध्वजारोहण, 12:30 बजे याज्ञमंडल विधान, शाम 6:30 बजे आरती, प्रवचन, 8 बजे सौधर्म इंद्रसभा और रात 10 बजे आंतरिक क्रियाएं।

- 5 दिसंबर मंगलवार को गर्भकल्याणक अंतर्गत प्रात: 6 बजे अभिषेक पूजन, 8:30 बजे महाराजश्री के प्रवचन, 10 बजे मानस्तंभ एवं आदिनाथ जिनालय शुद्धि हेतु घटयात्रा, दोपहर 1 बजे माता की गोद भराई नाटक, शाम 6:30 बजे आरती प्रवचन और 7:30 बजे महाराज नाभिराज का राजदरबार।

- 6 दिसंबर बुधवार को जन्म कल्याणक अंतर्गत प्रात: 6 बजे अभिषेक, पूजन सौधर्म, इंद्र की सभा, जन्मकल्याणक कलश की बोली, प्रात: 8:30 बजे महाराजश्री के प्रवचन, दोपहर 1 बजे जन्म कल्याणक की शोभायात्रा, दोपहर 3 बजे पांडुकशिला पर अभिषेक, शाम 4 बजे जन्माभिषेक, वस्त्र आरोहण, 6:30 बजे आरती प्रवचन, 7:30 बजे तांडव नृत्य, पालना, बालक्रीड़ा।

- 7 दिसंबर को तप कल्याणक अंतर्गत प्रात: 6 बजे अभिषेक पूजन, 8:30 बजे महाराजश्री के प्रवचन, प्रात:10:30 बजे आदिकुमार की बारात, दोपहर 12 बजे महाराज नाभिराज का राज दरबार, आदिकुमार का राज्याभिषेक, घटकर्म उपदेश, नीलांजना नृत्य, वैराग्य, लोकातिक देवों का आगमन, माता का आशीष। दोपहर 2:30 बजे पिच्छिका परिवर्तन, शाम 6:30 बजे आरती, प्रवचन, शाम 7:30 बजे नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम।

- 8 दिसंबर को ज्ञान कल्याणक अंतर्गत प्रात: 6 बजे अभिषेक, पूजन, 8:30 बजे महाराजश्री के प्रवचन, 12 बजे ज्ञान कल्याणक क्रियाएं, समोशरण रचना, केवल ज्ञान कल्याणक, पूजा समोशरण में दिव्य ध्वनि, 6:30 बजे आरती, प्रवचन, 7:30 बजे सम्मान समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम।

- 9 दिसंबर को मोक्ष/निर्वाण कल्याणक अंतर्गत प्रात: 6 बजे अभिषेक, पूजन, 7 बजे मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं एवं संस्कार, दोपहर 1 बजे गजरथ फेरी, दोपहर 2:30 बजे महाराजश्री के प्रवचन और आभार के साथ समापन।

2 ट्रकों के बीच फंसा सवारियों से भरा टैंपो

भीषण सड़क हादसे में 5 की मौत

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा से सड़क हादसे की बड़ी खबर सामने आई है, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई है. जानकारी के अनुसार आगरा में नेशनल हाइवे पर उस समय एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब दो ट्रकों की टक्कर के बीच सवारियों से भरा टैंपो फंस गया. जिसके चलते इस भीषण हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई. वहीं इस हादसे की चपेट में आए एक एक्टिवा सवार भी घायल हुआ है।

आगरा के दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसा देखने को मिला. जिसमें दो महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई है. हादसे को अपनी आंखों से देखने वालों का कहना है कि दो ट्रकों के बीच फंसने से यह हादसा हुआ. जिससे घटनास्थल पर लोगों की चीख पुकार मच गई. वहीं मदद को सामने आए कुछ लोगों ने जब तक ट्रकों के बीच से टैंपो को निकाला तब तक सभी की मौके पर ही मौत हो गई.

मौके पर मौजूद चश्मदीद ने मीडिया कर्मियों से बातचीत में कहा कि मैंने देखा ऑटो वाला इधर साइड ही आ रहा था, उसके पीछे से ट्रक वाला आ रहा था. उसने पीछे से ऑटो को टक्कर मार दी और आगे चल रहे ट्रक के बीच में ऑटो के फंसने से यह हादसा हो गया. थोड़ा आगे जाकर मैंने अपनी गाड़ी साइड लगाई तब तक एक घायल महिला की सांसे चल रही थी, उसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची फिर उन लोगों को अस्पताल लेकर चले गए।

घटना को लेकर डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि सूचना मिली कि नेशनल हाईवे जो मथुरा की तरफ जाता है, इसमें गुरुद्वारा गुरुकाताल के सामने एक कंटेनर की ऑटो से भिड़ंत हुई है और उसमें कुछ लोगों के मृत होने की सूचना मिली. जानकारी मिलते ही तत्काल थाना पुलिस, एसीपी और वह मौके पर पहुंचे. जहां आमजन और पुलिस अधिकारियों के सहयोग से रेस्क्यू किया गया। पुलिस ने जानकारी दी है कि हादसे में घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा गया. अभी तक हादसे में पांच लोगों की मृत्यु होने की जानकारी है. जिसमें दो महिलाओं समेत दो पुरुष और एक किशोर शामिल हैं. मौके पर कानून व्यवस्था सामान्य बनी हुई है. आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है. ट्रैफिक यहां पर नॉर्मल है।

व्हाटसएप ग्रुप पर किए थे धमकी भरे मैसेज

कृषि मंत्री के बेटे के खिलाफ मामला दर्ज, मतगणना स्थल की अनुमति भी निरस्त

हरदा/भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस प्रत्याशी रामकिशोर दोगने को धमकाने के आरोप में पुलिस ने प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल के बेटे सुदीप पटेल के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। वहीं आरोपी की मतगणना स्थल पर प्रवेश की अनुमति भी निरस्त कर दी गई है।

कांग्रेस प्रत्याशी रामकिशोर दोगने ने चुनाव आयोग में पत्र लिखकर शिकायत की थी कि बीते शुक्रवार की शाम मंत्री पुत्र पटेल ने विधानसभा 135 नामक एक व्हाटसएप ग्रुप में मैसेज कर हर कीमत पर भाजपा की विजय हासिल करने और 2 घंटे तक नगर में अस्पताल और थाने बंद करने की बात कही थी। इस शिकायत के साथ ही श्री दोगने ने शीघ्र सुदीप की गिरफ्तारी की मांग की। इसके साथ ही श्री दोगने ने मतगणना स्थल पर सुदीप के होने से गंभीर घटना घटित होने की बात कहते हुए स्थल पर भय रहित निष्पक्ष माहौल देने की बात कही थी।

श्री दोगने की मांग थी कि सुदीप की मतगणना स्थल पर प्रवेश की अनुमति निरस्त की जाए। दोनों ही मामलों को गंभीरता से लिया गया है। इसके साथ ही आरोपी सुदीप पटेल को मतगणना स्थल पर मिली प्रवेश की अनुमति को निरस्त कर दिया गया है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी की शिकायत पर धारा 188, 507, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

प्राचीन शनि मंदिर पहुंचे जेपी नड्डा, की पूजा अर्चना

मुरैना, देशबन्धु। भाजपा के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने आज अपने जन्मदिन के मौके पर अपनी पत्नी के साथ मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में स्थित त्रेतायुगीन शनि मंदिर पहुंचकर शनिदेव देव के दर्शन किए और उनकी विधि विधान से पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर उनके साथ केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, भाजपा के जिला अध्यक्ष योगेश पाल गुप्ता, मुरैना के पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंषाना, गिर्राज डंडोतिया, अनिल गोयल, हमीर पटेल, शिवमंगल सिंह तोमर, वीरेन्द्र सिंह हर्षाना, अरविंद सिकरवार, चारु डंडोतिया, मंडल अध्यक्ष सोनू शर्मा मौजूद रहे। पूजा अर्चना के बाद श्री नड्डा पत्नी के साथ ग्वालियर के लिये रवाना हो गए। श्री नड्डा ने कल दतिया स्थित मां पीतांबरा के दर्शन किये थे।

मोदी छवि सुधारने के लिए ले रहे हैं सेल्फी का सहारा : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी गिरती छवि के कारण परेशान हैं और 2024 के आम चुनाव उनकी परेशानी की सबसे बड़ी वजह है इसलिए सेल्फी का सहारा लेकर अपनी छवि सुधारने का प्रयास कर रहे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि सेल्फी और सेल्फ के प्रति मुग्ध प्रधानमंत्री लोकसभा चुनावों से पहले बेहद असुरक्षित हैं। वह अपनी गिरती छवि को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा छवि बचाने के लिए सबसे पहले, सेना को सेल्फी पॉइंट स्थापित करने के लिए कहा गया था।

शाह से मुलाकात के बाद बोले विजयवर्गीय

दिल्ली के नेता तय करेंगे अगला मुख्यमंत्री

इंदौर, देशबन्धु। भाजपा के महासचिव और विधानसभा एक से उम्मीदवार कैलाश विजयवर्गीय ने गृहमंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की। मुलाकात के बाद इंदौर पहुंचे विजयवर्गीय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि मध्यप्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह दिल्ली में बैठे नेता तय करेंगे, इसके साथ उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के लिए भी कई बातें कही हैं।

इंदौर में विजयवर्गीय ने मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति हाईकमान की नाराजगी के सवाल पर कहा कि शीर्ष नेतृत्व को इतनी फुर्सत नहीं है कि वह नाराजगी के लिए समय दे। उन्होंने कहा कि भाजपा में इंटरनल डेमोक्रेसी है। वहां विधायक दल की बैठक होगी। नाम तय होगा। उसके बाद पार्लियामेंट्री बोर्ड उस पर मुहर लगाएगा। भाजपा का कार्यकर्ता ही मुख्यमंत्री बनेगा। विजयवर्गीय ने कहा कांग्रेस जब हार जाएगी तो ईवीएम पर आरोप लगाएगी। प्रशासन पर आरोप लगाएगी। चुनाव आयोग पर आरोप लगाएगी। ये पटकथा पहले से लिखी जा चुकी है।

कांग्रेस ने चुनाव नतीजों से पहले 4 राज्यों में पर्यवेक्षक नियुक्त किए

नई दिल्ली, एजेंसी। चार राज्यों में चुनाव परिणाम आने के पूर्व कांग्रेस ने अपने विधायक दल की बैठकों के समन्वय के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए हैं।

कांग्रेस की ओर से शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक मध्यप्रदेश के लिए पार्टी नेता अधीर रंजन चौधरी, पृथ्वीराज चव्हाण, राजीव शुक्ला और चंद्रकांत हंडोरे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वहीं छत्तीसगढ़ के लिए कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन, रमेश चेन्नितला और प्रीतम सिंह को पार्टी ने पर्यवेक्षक बनाया है। राजस्थान में पार्टी ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मधुसूदन मिस्त्री, मुकुल वासनिक और शकील अहमद खान को कांग्रेस पर्यवेक्षक बनाकर भेजा है। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष ने तेलंगाना में, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, दीपा दास मुंशी, अजय कुमार, के. मुरलीधरन और के.जे. जॉर्ज को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

अधीर रंजन, पृथ्वीराज चव्हाण, राजीव शुक्ला और चंद्रकांत हंडोरे मप्र के पर्यवेक्षक बने

अखिल भारतीय कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि संबंधित राज्यों के महासचिव और प्रभारी इन पर्यवेक्षकों के साथ समन्वय करेंगे। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना में रविवार को, जबकि मिजोरम में सोमवार को मतगणना की जाएगी।

गैस त्रासदी की बरसी पर प्रदेश अध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने भोपाल गैस त्रासदी की बरसी पर दुर्घटना में हताहत हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही प्रभावित परिवारों के सदस्यों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है।

प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने 39 वर्ष पूर्व हुई गैस त्रासदी में काल कवलित हुए लोगों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि भोपाल गैस त्रासदी दुनिया की सबसे भयावह औद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक है। आज भी भोपाल के लोग इस त्रासदी का दंश झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1984 के 2 और 3 दिसंबर की दरम्यानी रात यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस रिसने से 15 हजार से अधिक लोग मौत की नींद सो गए थे और लाखों नागरिक जहरीली गैसों से प्रभावित होकर प्राणघातक बीमारियों के शिकार हुए थे।

श्री शर्मा ने कहा कि यह गैस त्रासदी प्रत्यक्ष तौर पर तो हजारों लोगों की मौत की जिम्मेदार है ही, इसकी वजह से हजारों लोग जिंदा लाशों की तरह जीवन जीने को मजबूर हैं। इस तरह की दुर्घटनाएं फिर न हों, इसके लिए सतर्कतामूलक प्रयास जरूरी हैं।

कश्मीर में इस साल नवम्बर व सितम्बर सबसे खूनी

जम्म, एजेंसी। इस साल अभी तक सितम्बर के साथ ही नवम्बरी का महीना सबसे खूनी दर्ज किया गया है। नवंबर महीने में 7 स्थानीय आतंकवादियों सहित सत्रह लोग मारे गए हैं। इससे पहले सितम्बर महीने में भी 17 मौतें कश्मीर ने देखी थी।

सितंबर और नवंबर को छोड़कर, आतंक संबंधी घटनाओं के कारण हताहतों की संख्या 17 से नीचे दर्ज की गई। उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में जम्मू कश्मीर में 7 स्थानीय आतंकी, 2 गैर-स्थानीय आतंकी, 2 घुसपैठिए, 5 सैनिक और एक बीएसएफ जवान मारे गए। नवंबर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच 5 मुठभेड़ें हुईं, जो शोपियां, समनु कुलगाम, कालाकोट राजौरी और अरिहाल पुलवाम के कैथोहलान इलाके में हुईं। इसके अलावा परिगाम पुलवाम में भी गोलीबारी हुई, जहां आतंकवादी घेराबंदी तोड़ने में कामयाब रहे।

आबकारी नीति मामले में संजय सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दायर

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में शनिवार को आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत एक स्थानीय अदालत में आरोपपत्र दायर किया। यह इस मामले में पूरक आरोप पत्र है क्योंकि एजेंसी पहले ऐसी लगभग पांच अभियोजन शिकायतें दायर कर चुकी है।

ईडी ने 'आप' के राज्यसभा सदस्य सिंह को इस मामले में अक्टूबर में गिरफ्तार किया था। धनशोधन रोधी एजेंसी ने आरोप लगाया था कि आरोपी कारोबारी दिनेश अरोड़ा ने राज्यसभा सदस्य के आवास पर दो किस्तों में दो करोड़ रुपये नकद पहुंचाए थे। सिंह ने इस दावे का खंडन किया है। ईडी ने 2021-22 दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में 'आप' सांसद को गिरफ्तार किया था। इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद वह दूसरे बड़े नेता हैं।

अब मायावती ने की जातिगत जनगणना की मांग, कहा-

देश के कोने-कोने से उठ रही आवाज

नई दिल्ली, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार से देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की है। सुश्री मायावती ने शनिवार को एक ट्वीट में कहा कि संसद के आगामी चार दिसम्बर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र से पहले आज सर्वदलीय बैठक में बीएसपी ने सरकार से देश में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग पुन: की।

सुश्री मायावती ने कहा, अब जबकि इसकी मांग देश के कोने-कोने से उठ रही है, केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में अविलम्ब सकारात्मक कदम उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था से त्रस्त तथा जातिवादी शोषण-अत्याचार से पीड़ित देश के लोगों में जातीय जनगणना के प्रति जो अभूतपूर्व रुचि और जागरूकता है, वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नींद उड़ाए है तथा कांग्रेस अपने अपराधों पर पर्दा डालने में व्यस्त हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि वैसे विभिन्न राज्य सरकारें 'सामाजिक न्याय' की दुहाई देकर आधे-अधूरे मन से जातीय जनगणना कराकर जनभावना को काफी हद तक साधने का प्रयास कर रही हैं, किन्तु इसका सही समाधान तभी संभव है जब केन्द्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर सही जातीय जनगणना कराकर लोगों को उनका हक देना सुनिश्चित करेगी।

सरकारी डॉक्टर से मांगी थी रिश्वत

ईडी के अधिकारी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) के अधिकारियों ने राज्य सरकार के एक कर्मचारी से 20 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मदुरै में उसके कार्यालय की तलाशी ली।

20 लाख रुपए के साथ किया था गिरफ्तार

डीवीएसी अधिकारियों ने एक सरकारी डॉक्टर से रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में कल अंकित तिवारी को गिरफ्तार किया, जो आय से अधिक संपत्ति के मामले में आरोपी हैं। अधिकारियों ने उनकी कार से 20 लाख रुपए नकद जब्त किए, जो उन्हें कथित तौर पर रिश्वत के रूप में मिले थे। इसके बाद ईडी अधिकारी को पूछताछ के लिए डिंडीगुल स्थित वीएंडएसी कार्यालय ले जाया गया। बाद में उन्होंने शुक्रवार देर रात ईडी के मदुरै कार्यालय और उनके आवास पर तलाशी ली और कई अन्य दस्तावेज जब्त किए और बाद में अधिकारी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। तमिलनाडु में यह पहली बार है कि ईडी के किसी अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। डिंडीगुल के डॉ. सुरेश बाबू से मिली शिकायत के बाद वीएंडएसी ने गुरुवार को ईडी अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, वह डिंडीगुल के सरकारी अस्पताल में उपाधीक्षक के रूप में काम करता था। उनके खिलाफ 2018 में आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति जमा करने का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ महीने पहले तिवारी ने उनसे संपर्क किया था और उन्हें आरोपों से मुक्त करने के लिए 3 करोड़ रुपए की रिश्वत की मांग की थी। जब डॉक्टर ने बड़ी रकम देने से इनकार कर दिया, तो तिवारी ने उनसे 51 लाख रुपए देने के लिए बातचीत की। शिकायतकर्ता ने कहा कि 1 नवंबर को उसने तिवारी को 20 लाख रुपए नकद सौंपे थे।

कांग्रेस ने साधा सरकार पर निशाना

भाजपा के सुपरस्टार प्रचारक एक बार फिर लड़खड़ा गए

कांग्रेस ने तमिलनाडु में एक चिकित्सक से कथित रूप से 20 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किए गए ईडी के अधिकारी को भाजपा पर हमला किया है। पार्टी ने तंज करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के सुपरस्टार प्रचारक एक बार फिर लड़खड़ा गए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए नरेंद्र मोदी सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और उन्हें राजनीतिक उपकरण की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि भाजपा के सुपरस्टार प्रचारकों में से एक इस बार तमिलानाडु में मुसीबत में हैं। कुछ सप्ताह पहले राजस्थान में एक ईडी के अधिकारी को 15 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए दबोचा गया था।

पुरानी पेंशन को लेकर 10 को फिर महारैली

नई दिल्ली, एजेंसी। 'पुरानी पेंशन' के मुद्दे पर केंद्र और राज्यों के सरकारी कर्मचारी एकजुट हो रहे हैं। दिल्ली का रामलीला मैदान, पुरानी पेंशन के लिए सरकारी कर्मियों की लड़ाई का गवाह बन रहा है। अभी तक इस मैदान पर तीन रैलियां हो चुकी हैं। अब दस दिसंबर को 'नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत' के बैनर तले निर्णायक 'पेंशन जयघोष महारैली' आयोजित होगी। ऑल इंडिया एनपीएस एंप्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत पटेल का कहना है कि 'पेंशन जयघोष महारैली' एक निर्णायक रैली होगी। अगर उस समय तक केंद्र सरकार, पुरानी पेंशन बहाल नहीं करती है, तो उस रैली में अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की जाएगी।

नई दिल्ली के रामलीला मैदान में दस अगस्त को केंद्र सरकार के कर्मियों की पहली रैली हुई थी। इसमें कई राज्यों के कर्मचारी संगठनों ने भी शिरकत की थी। 10 दिसंबर की रैली में भी केंद्र और राज्यों के कर्मचारी संगठन हिस्सा लेंगे। लंबे समय से इस रैली की तैयारियां चल रही हैं। ओपीएस के लिए गठित नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) की संचालन समिति के सदस्य डॉ. मंजीत बताते हैं कि दस दिसंबर की रैली में करीब डेढ़ दर्जन केंद्रीय संगठन और अनेक प्रदेशों की एसोसिएशन/फेडरेशन, शिरकत करेंगे। केंद्र सरकार के लिए यह रैली एक अल्टीमेटम है। अगर सरकार ने दिसंबर में ओपीएस बहाली को लेकर कोई पुख्ता घोषणा नहीं की, तो जनवरी 2024 से हड़ताल शुरू होगी। केंद्र सरकार की तरफ से जुलाई में ऑल इंडिया एनपीएस एंप्लाइज फेडरेशन से सुझाव मांगे गए थे। सरकार को लिखित में सुझाव दिए गए। 'पुरानी पेंशन बहाली' की लड़ाई अब अंतिम दौर की तरफ बढ़ रही है। अगर सरकार, कर्मचारियों की इस मांग को नहीं मानती है, तो उस स्थिति में अनिश्चितकालीन हड़ताल हो सकती है। ओपीएस के लिए गठित नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) की संचालन समिति के राष्ट्रीय संयोजक एवं स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद 'जेसीएम' के सचिव शिवगोपाल मिश्रा ने कहा, अब स्ट्राइक बैलेट का नतीजा आ गया है। रेलवे के 11 लाख कर्मियों में से 96 फीसदी कर्मचारी ओपीएस लागू न करने की स्थिति में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा रक्षा विभाग (सिविल) के चार लाख कर्मियों में से 97 फीसदी कर्मी, हड़ताल के पक्ष में है।

तिहाड़ जेल में फर्जी तरीके से भर्ती 50 कर्मचारी निलंबित

नई दिल्ली, देशबन्धु। तिहाड़ जेल में फर्जी नियुक्ति का मामला सामने आने के बाद हड़कम्प मच गया है। आनन-फानन में 50 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है । कर्मचारियों के बायोमैट्रिक मिलान के दौरान ये गड़बड़ी सामने आई है।

तिहाड़ जेल के अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2020 में डीएसएसबी के माध्यम से तिहाड़ में अलग-अलग पदों पर भर्तियां की गई थीं।, इन भर्तियों को बॉयोमेट्रिक तरीके से किया गया था। जब डीएसएसबी ने बाद में वैरिफिकेशन किया तो 50 कर्मचारियों के बॉयोमेट्रिक और फोटो आपस में मेल नहीं खाए। जब पड़ताल की गई तो कर्मचारियों के फर्जी तरीके से भर्ती होने की बात निकलकर सामने आई। इसके मामले में सभी पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 30 नवंबर को एक महीने का नोटिस देकर निलंबित कर दिया गया है।

यह पहला मामला नहीं है बल्कि 2 साल पहले भी तिहाड़ जेल में फर्जी तरीके से कर्मचारियों की भर्ती का मामला सामने आया था। तब 47 कर्मचारियों की फर्जी तरीके से भर्ती होने की बात सामने आई थी। ये खुलासा तब हुआ जब जेल में कुछ कैदियों की मौत होने के बाद बायोमेट्रिक सत्यापन अभियान चलाया गया था। इस मामले में भी सभी 47 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया था।

सोने की कीमतें अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। शादी के सीजन और कीमती धातु की बढ़ती वैश्विक दरों के बीच भारत में सोने की कीमतें अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। चेन्नई में सुबह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत 64,530 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई।

मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता में कीमती धातु की कीमत 63,760 रुपए प्रति 10 ग्राम पर थी, जो पिछले दिन की तुलना में 810 रुपए अधिक थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतें सात महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। शुक्रवार को हाजिर कीमतें 1.6 प्रतिशत बढ़कर 2,069.10 डॉलर प्रति औंस हो गईं। भारत बड़ी मात्रा में सोने का आयात करता है और बढ़ती वैश्विक कीमतों का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ता है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमतें बढ़ रही हैं क्योंकि प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में गिरावट जारी है और वर्तमान में यह तीन महीने के निचले स्तर के करीब है, जिससे अन्य विदेशी मुद्राओं में सोना खरीदना सस्ता हो गया है। ऐसी उम्मीदें भी बढ़ रही हैं कि फेडरल रिजर्व आने वाले महीनों में दरों में कटौती कर सकता है। कम ब्याज दरों की उम्मीद वित्तीय साधनों को सोने की तुलना में निवेशकों के लिए कम आकर्षक बनाती है, जिसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। शादी के मौसम के बीच घरेलू बाजार में सोने की मांग मजबूत बनी हुई है क्योंकि दुल्हन और दूल्हे को बड़ी मात्रा में कीमती धातु उपहार में दी जाती है।

पालतू बिल्ली के काटने से पिता-पुत्र की मौत

कानपुर, एजेंसी। एक पालतू बिल्ली के कारण पिता और पुत्र की मौत होने से शहर में दहशत फैल गई है। मामला अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के अशोक नगर का है। यहां रहने वाले इम्तियाजुद्दीन नबौली प्राथमिक विद्यालय में प्राचार्य थे। उन्होंने घर एक बिल्ली पाल रखी थी, जिसकी देखरेख उनका परिवार करता था। इस बिल्ली को सितंबर के महीने में मोहल्ले के ही एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था, जिससे उसमें रेबीज के लक्षण आ गए थे लेकिन इम्तियाज का परिवार इन लक्षणों से बिल्कुल अनजान था। उन्होंने बिल्ली को डॉक्टर को दिखाया। इस बीच नोएडा में काम करने वाला इम्तियाज का बेटा अजीम घर आया। एक दिन उसे उस बिल्ली ने काट लिया। अजीम की तबीयत खराब हुई और जब डॉक्टर को दिखाया गया तो उसके शरीर में रेबीज के लक्षण पाए गए। इलाज के दौरान 24 वर्षीय अजीम की मौत हो गई। बेटे की मौत के महज एक हफ्ते के भीतर रेबीज के लक्षण इम्तियाज के शरीर में भी पाए गए। उनकी अजीबोगरीब हरकतें देख लोग डरने लगे। उनका भी इलाज शुरू हुआ, लेकिन वे बच नहीं पाए। दो-दो मौतों के कारण पूरे मोहल्ले में आवारा कुत्तों और बिल्ली की दहशत फैली हुई है। जिन घरों में लोगों ने कुत्ते-बिल्ली पाल रखे थे, वे अब उन्हें कहीं और छोड़ने का इंतज़ाम कर रहे हैं।

हार-जीत का दावा करने में जुटे राजनीति दल

नई दिल्ली, एजेंसी। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे को लेकर राजनीतिक दल अपनी-अपनी हार जीत की गणना करने में जुट गए हैं। नतीजों को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। कांग्रेस का दावा है कि चार राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना में उनकी सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने दावा किया कि मिजोरम में वह गठबंधन की सरकार बनाएंगे।

मध्य प्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत कल तीन दिसम्बर को मतगणना के साथ ही न केवल राज्य के लगभग ढाई हजार से ज्यादा प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला हो जाएगा, बल्कि दोपहर बाद तक राज्य की नई सरकार को लेकर स्थिति भी साफ होने लगेगी। राज्य के सभी 52 जिला मुख्यालयों पर कल सुबह आठ बजे से मतगणना शुरु होगी, जिसके बाद पूर्वान्ह से ही प्रत्याशियों के भाग्य से जुड़े रुझान सामने आने लगेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मतगणना के हर राउंड के परिणाम प्रदर्शित किए जाएंगे। सुबह आठ बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती शुरु होगी, उसके आधे घंटे बाद ईवीएम में दर्ज मतों की गणना होगी। पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के बाद हर उम्मीदवार को मिले डाक मतों की घोषणा की जाएगी।

वहीं भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी का कहना है कि राजस्थान में हमें बड़ी जीत मिलेगी और एग्जिट पोल के नतीजों में भी ऐसा दिखाया गया है। छत्तीसगढ़ में टक्कर की लड़ाई होगी लेकिन हम वहां भी सरकार बनाएंगे। बता दें कि चुनाव नतीजों से पहले ही जोड़-तोड़ की राजनीति भी शुरू हो गई है। कर्नाटक के डिप्टी सीएम और वरिष्ठ कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार का कहना है कि हमें विश्वास है कि तेलंगाना में हमारी पार्टी आसानी से जीत दर्ज करेगी। हमें ये भी पता है कि हमें फंसाने की कोशिश की जा रही है। हमारे उम्मीदवारों ने बताया है कि सीएम ने उनसे संपर्क साधा है लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति का मानना है कि उनकी पार्टी लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल रहेगी। बीआरएस सांसद के केशव राव ने दावा किया कि बीआरएस सत्ता में लौटेगी, उन्हें इसका पूरा भरोसा है। राव ने एग्जिट पोल के आंकड़ों और भावी सियासी संभावनाओं पर बात करने से इनकार कर दिया। चुनाव आयोग ने मिजोरम में विधानसभा चुनाव के नतीजे जारी करने की तारीख तीन दिसम्बर से बदलकर 4 दिसम्बर कर दिया है। चुनाव आयोग के इस कदम का मिजोरम की राजनीतिक पार्टियों ने भी स्वागत किया है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।